राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, सोमवार , 07 जुलाई 2025

वर्ष 14, अंक 88, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

यूपीएल फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज ने जमकर की गुंडागर्दी ,ट्रक चालक को लाठी- डंडों से बेरहमी से पीटा...03

अब्बास अंसारी अभी जेल में ही रहेंगे, मऊ कोर्ट ने सजा कम करने की याचिका की खारिज.....04

## मुंबई- मराठी अस्मिता को लेकर 20 साल बाद राज और उद्धव ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से मंच साझा किया

**महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे आखिरकार दो दशक बाद एक मंच पर साथ दिखाई दिए. इन दोनों भाइयों के मुंबई में बीएमसी चुनाव से पहले एकसाथ मंच साझा करने के घटनाक्रम को महाराष्ट्र की सियासत में बेहद अहम माना जा रहा है।**

मुंबई- महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे आखिरकार दो दशक बाद एक मंच पर साथ दिखाई दिए. इन दोनों भाइयों के मुंबई में एकसाथ मंच साझा करने के घटनाक्रम को महाराष्ट्र की सियासत में बेहद अहम माना जा रहा है। मालूम हो कि नई शिक्षा नीति के तहत हिंदी को अनिवार्य करने के फैसले का विरोध होने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने इसे रद्द कर दिया था. राज और उद्धव ठाकरे इसके खिलाफ एक साथ मिलकर मार्च निकालने वाले थे. लेकिन सराकर द्वारा ये फैसला वापस लिए जाने के बाद मार्च की जगह विजयी रैली निकाली गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार (5 जुलाई) को मुंबई के वर्ली में मराठी विजय दिवस मनाने के अवसर पर दोनों नेताओं का जोरदार स्वागत हुआ. इस दौरान मंच संभालते हुए राज ठाकरे ने कहा, 'पिछले 20 सालों से कई लोगों ने हमें साथ लाने की कोशिश की है। यहां तक कि बालासाहेब ठाकरे ने भी कई बार कोशिश की. लेकिन जो काम बालासाहेब नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने किया. हम दोनों को साथ लाने का काम।' इस सार्वजनिक कार्यक्रम में ठाकरे भाइयों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत तीसरी भाषा के प्रावधान को लेकर राज्य सरकार के फैसले पर तंज भी किया।मराठी अस्मिता (गौरव) को बढ़ावा देने की अपनी पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए, राज और उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके नेताओं की आलोचना की. साथ ही उन पर भाषाई आधार पर राज्य को विभाजित करने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया।

राज ठाकरे ने कहा, 'आज वे हमें भाषा के आधार पर विभाजित कर रहे हैं, कल वे हमें विभाजित करने के लिए जाति का इस्तेमाल करेंगे. समझदारी इसी में है कि महाराष्ट्रवासी एकजुट रहें और भाजपा को खारिज करें।' मालूम हो कि 2006 में राज ठाकरे ने अपनी अलग पार्टी बना ली थी. हालांकि, उनकी राजनीति मुख्य रूप से मूल शिवसेना से जुड़ी हुई थी, लेकिन उन्होंने उद्धव के साथ तालमेल बिठाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई. अब जब राज्य में हिंदी को अनिवार्य भाषा के रूप में शामिल करने का हालिया घटनाक्रम सामने आया, तो दोनों भाइयों ने एक बार फिर एकजुट होने का फैसला किया।

अपने संबोधन में राज ठाकरे ने पूछा, 'महाराष्ट्र और दक्षिणी राज्यों में वे तीन-भाषा नियम की बात करते हैं, लेकिन राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के बारे में क्या? वे कौन सी तीसरी भाषा शुरू करने की योजना बना रहे हैं?'

बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव से कुछ महीने पहले दोनों भाइयों ने साथ आने का फैसला किया।

इस दौरान उद्धव का भाषण उनकी राजनीति के भविष्य पर केंद्रित था।

उन्होंने कहा, 'आखिरकार हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं।'

हालांकि, दोनों ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि वे किस तरह साथ आने की योजना बना रहे हैं और क्या भविष्य में दोनों पार्टियां विलय करने की सोच रही हैं, लेकिन मंच साझा करने के उनके फैसले ने जनता की भावनाओं को तेजी से उनके पक्ष में जरूर मोड़ दिया है। यह देखते हुए कि राज और उद्धव ठाकरे के साथ आने की घोषणा बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव से कुछ महीने पहले ही हुई है. ऐसे में उद्धव के बयान ने इन अटकलों को जन्म दे दिया है कि दोनों पार्टियां एक साथ निकाय चुनाव लड़ सकती हैं।

उद्धव ने भाजपा के एजेंडे की आलोचना करते हुए कहा, 'कुछ समय पहले, उन्होंने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को आगे बढ़ाया. अब यह हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान को आगे बढ़ा रहे हैं. हम हिंदू और हिंदुस्तान से सहमत हैं, लेकिन उनके हिंदी भाषा के एजेंडे को खारिज करते हैं।'

**शिक्षा का कोई भी माध्यम मराठी भाषा के लिए हमारी लड़ाई को कमजोर नहीं करता- राज ठाकरे**

इस बात पर जोर देते हुए कि शिक्षा का कोई भी माध्यम मराठी भाषा के लिए उनकी लड़ाई को कमजोर नहीं करता है, राज ठाकरे ने कहा कि उनके पिता श्रीकांत और चाचा बाल ठाकरे दोनों ने अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ाई की थी।

उन्होंने कहा, 'अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ाई से उनकी सोच पर कोई असर नहीं पड़ा. उन्होंने जीवन भर मराठी भाषा के लिए लड़ाई लड़ी।'उन्होंने पूछा, 'लालकृष्ण आडवाणी ने ईसाई मिशनरी स्कूल में पढ़ाई की है. क्या हमें उनके हिंदुत्व पर संदेह करना चाहिए?'

भाजपा पर तंज कसते हुए उद्धव ने कहा, 'राज ठाकरे ने सभी की शिक्षा की सूची बनाई है. मोदी के बारे में क्या? उन्होंने कहां से पढ़ाई की?' इस कार्यक्रम में शरद पवार गुट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के नेता भी शामिल हुए. साथ ही सेवानिवृत्त प्रोफेसर दीपक पवार, जिन्होंने दो दशकों तक मराठी अभ्यास केंद्र चलाया है, भी मौजूद रहे।

दोनों ठाकरे भाइयों के बोलने के बाद एनसीपी (शरदचंद्र पवार) नेता सुप्रिया सुले और जितेंद्र आव्हाड के साथ दीपक पवार और सीपीआई नेता प्रकाश रेड्डी को एकता के प्रतीक के रूप में मंच पर बुलाया गया। ज्ञात हो कि इस सप्ताह की शुरुआत में मुंबई पुलिस ने 29 जून को आज़ाद मैदान में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान 'अवैध रूप से एकत्र होने' के लिए दीपक पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उल्लेखनीय है कि भाषाई लड़ाई में अग्रणी दीपक पवार अप्रैल में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेश किए गए सरकारी प्रस्ताव (जीआर) का विरोध करने वाले पहले व्यक्ति थे, जिसमें कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य किया गया था। इसके खिलाफ चौतरफा विरोध के बाद जून में एक नए जीआर ने छात्रों को हिंदी के अलावा एक और भाषा चुनने की अनुमति दी, बशर्ते कम से कम 20 छात्र उस भाषा को चुनें। हालांकि, सरकार द्वारा 29 जून को इस जीआर को भी रद्द कर दिया गया।

## 22 दिन बाद भी उड़ान नहीं भर पाया ब्रिटेन का लड़ाकू विमान स्न-35, अब एयरलिफ्ट करने की तैयारी

**● 14 जून को इस लड़ाकू विमान की इमरजेंसी लैडिंग हुई थी. तब से यह तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर बेबस खड़ा था. 22 दिन बाद इस विमान को एयरपोर्ट से बाहर ले जाया गया है. अगर विमान की मरम्मत संभव नहीं हुई तो इसे माल वाहक विमान C-17 में लादकर ब्रिटेन वापस भेजा जाएगा।**

ब्रिटिश रॉयल नेवी का F-35B फाइटर जेट 22 दिन बाद भी उड़ान नहीं भर पाया. अब उसे ब्रिटेन एयरलिफ्ट करने की तैयारी चल रही है. फिलहाल लड़ाकू विमान को तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट परिसर से बाहर कर दिया गया है. 14 जून को इस लड़ाकू विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी. तब से ये आसमान का बादशाह स्न-35 तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर बेबस खड़ा था।

इमरजेंसी लैंडिंग की वजह कम ईंधन और खराब मौसम बताया गया. लैंडिंग के बाद विमान में हाइड्रॉलिक सिस्टम की खराबी पाई गई, जिसके कारण यह विमान टेकऑफ नहीं कर पाया. ब्रिटेन से आई टेक्निकल टीम भी इस विमान को ठीक नहीं कर पाई. अगर ऑन-साइट इसी मरम्मत नहीं हो पाई तो इसे कार्गो विमान या ष्ट-17 ग्लोबमास्टर से एयरलिफ्ट कर ब्रिटेन वापस भेजा जा सकता है।

**लड़ाकू विमान को MRO ले जाया गया**

केरल में फंसे इस विमान को CISF की सुरक्षा में एयरपोर्ट के Bay 4 में पार्क किया गया था. इसे CISF सुरक्षा में रखा गया था. शुरुआत में ब्रिटिश रॉयल नेवी ने विमान को एयर इंडिया के एमआरओ में ले जाने से मना कर दिया था. हालांकि, बाद में उसने इसकी इजाजत दे दी. फिलहाल विमान को तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट से MRO (मेंटेनेंस, रिपेयर, और ओवरहॉल) ले जाया गया है।

**तिरुवनंतपुरम पहुंची है विशेषज्ञों की टीम**

ब्रिटेन और अमेरिका से विशेषज्ञों की 40 सदस्यीय टीम विमान की मरम्मत के लिए तिरुवनंतपुरम पहुंची है. अगर मरम्मत संभव नहीं हुई तो विमान को माल वाहक विमान C-17 में लादकर ब्रिटेन वापस भेजा जाएगा. F-35 दुनिया के सबसे एडवांस स्टील्थ फाइटर जेट में से एक है. इसमें खुफिया स्टील्थ टेक्नोलॉजी, सेंसर फ्यूजन, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम और स्पेशल कंपोजिट मटीरियल्स का इस्तेमाल होता है।

**तकनीक की गोपनीयता का खास ख्याल**

दरअसल, F-35 सॉफ्टवेयर कोड और एन्क्रिप्टेड सिस्टम पर बेस्ड है. ऐसे में अमेरिका और ब्रिटेन को लगता है कि इसे ठीक करते समय भारत को इसके सॉफ्टवेयर तक पहुंच मिलती है तो उसकी कोड सिक्योरिटी खतरे में पड़ सकती है. अमेरिका में बने F-35 में ऐसी टेक्नोलॉजी है जो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए बेहद संवेदनशील है. इसलिए तकनीक की गोपनीयता का खास ख्याल रखा जा रहा है. इसलिए विमान की मरम्मत के लिए ब्रिटेन और अमेरिका की टीम यहां पहुंची है।

## आजीवन करवास की सजा काट रहे कपिल और सूरजभान से मिलने पहुंचे उदयभान

**नैनी जेल में बंद है दोनों भाई, उदयभान को अच्छे आचरण पर मिली रिहाई।**

**प्रयागराज।** नैनी सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व एमएलसी सूरज भान करवरिया और रामचंद उर्फ कल्लू से मिलने उनके भाई पूर्व विधायक उदयभान करवरिया पहुंचे। उन्होंने जेल में अपने भाइयों का हालचाल जाना। साथ ही जेल के नए वरिष्ठ अधीक्षक विजय विक्रम सिंह से भी मुलाकात की।उदयभान करवरिया ने बताया कि वह जेल से रिहा होने के बाद हर महीने अपने भाइयों से मिलने आते हैं। नए जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह पहले इसी जेल में जेलर रह चुके हैं, जिससे उनकी पुरानी पहचान है। इसलिए उनसे भी मुलाकात की। इसी जेल से समय से पूर्व मिली थी उदयभान को रिहाईउदयभान करवरिया को राज्यपाल के आदेश पर अच्छे आचरण के आधार पर समयपूर्व रिहा किया गया था।1996 में हुए विधायक जवाहर पंडित हत्याकांड में उदयभान करवरिया, उसके भाई सूरजभान करवरिया और कपिलमुनि करवरिया को आजीवन कारावास की सजा हुई है।

## वन्यजीवों की सुरक्षा जरूरी कार्बेट नेशनल पार्क पहुंचे CM धामी, उठाया जंगल सफारी का आनंद

**इस दौरान यहां एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वन विभाग, स्थानीय समुदाय और पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से 1000 से अधिक पौधों का सामूहिक रोपण किया गया. मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह केवल पौधा रोपण नहीं, बल्कि मातृत्व और प्रकृति के प्रति सम्मान का भावपूर्ण प्रतीक है**

**स्वतंत्र प्रभात**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज कार्बेट नेशनल पार्क में जंगल सफारी के दौरान वन्यजीवन की झलक देखने पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां का अनुभव बहुत ही रोमांचकारी था. सीएम धामी ने कहा कि यह अनुभव केवल प्रकृति की सुंदरता को देखने का नहीं, बल्कि जैव विविधता और प्रकृति की अनमोल विरासत से जुड़ने का अवसर भी है मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप जंगल सफारी पर्यटन को आज एक नई पहचान मिली है. देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक उत्तराखंड आ रहे हैं. इससे राज्य की पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

**पर्यटन से स्थानीय लोगों को मिले रोजगार**

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन से स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार और आजीविका के नए द्वार भी खुले हैं. इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वन विभाग, स्थानीय समुदाय और पर्यावरण प्रेमियों के सहयोग से 1000 से अधिक पौधों का सामूहिक रोपण किया गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महज एक पौधा रोपण नहीं, बल्कि मातृत्व और प्रकृति के प्रति सम्मान का भावपूर्ण प्रतीक है।

**वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए किए कार्य की समीक्षा**

मुख्यमंत्री ने वन विभाग की टीम से भी भेंट की और उनके द्वारा वनों व वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की. उन्होंने विभाग की प्रतिबद्धता और समर्पण को राज्य की हरियाली और जैव विविधता के संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

## संक्षिप्त ख़बरें

### श्रावण मास कॉवड़ यात्रा को सुरक्षित/सकुशल सम्पन्न कराए जाने के लिए उपायुक्त ने किया निरीक्षण

**प्रयागराज।** पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा आगामी श्रावण मास कॉवड़ यात्रा को सुरक्षित/सकुशल सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत स्थित रानी का तालाब, वरूणेश्वर मंदिर आदि तथा यातायात व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु प्रयागराज-जौनपुर राजमार्ग का निरीक्षण कर सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर/थरवई मौजूद रहें।

### थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार!

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत मु0अ0सं0 36/2025 धारा 137(2)/87/64 बी0एन0एस0 व 3/4 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त बाल कुमार यादव उर्फ विनोद सिंह पुत्र स्व0 अमरजीत यादव निवासी सिरखिड़ी थाना मेजा जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 05.07.2025 को जीरो रोड बस स्टैण्ड थाना क्षेत्र कोतवाली से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

**गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-** बाल कुमार यादव उर्फ विनोद सिंह पुत्र स्व0 अमरजीत यादव निवासी सिरखिड़ी थाना मेजा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 35 वर्ष।

## बिहार की राजधानी पटना में बड़े व्यवसाई की हत्या से हड़कंप, मगध अस्पताल के मालिक की गोली मारकर हत्या

**स्वतंत्र प्रभात**

**प्रयागराज।** बिहार की राजधानी पटना में एक बड़े बिजनेसमैन की गोली माकर हत्या के बाद हड़कंप मच गया है। पटना के गांधी मैदान थाना इलाके में मगध अस्पताल के मालिक गोपाल खेमका की 4 जुलाई की रात 11 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजवाया। बताया जा रहा है कि गोपाल खेमका पनास होटल के पास अपने आवास पर अपनी कार से जैसे ही उतरे, अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गांधी मैदान थाना पुलिस ने इस बात की पुष्टि की कि बिजनेसमैन गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

पटना एसपी दीक्षा ने बताया कि व्यवसायी गोपाल खेमका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 4 जुलाई की रात करीब 11 बजे हमें सूचना मिली कि व्यवसायी गोपाल खेमका की गांधी मैदान के दक्षिणी इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मौके से एक गोली और एक खोखा बरामद किया गया है। मामले की जांच जारी है।

गोपाल खेमका के बेटे गुंजन खेमका की भी हत्या वैशाली के औद्योगिक थाना इलाके में अपराधियों ने 6 साल पहले कर दी थी। इसके बाद काफी बवाल भी मचा था। अब बदमाशों ने उनके पिता की हत्या कर दी है। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पटना के एक व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। इस हत्याकांड पर बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया है।

उन्होंने इस घटना का जिक्र करते हुए एक्स पोस्ट में लिखा, "थाना से चंद कदम दूर पटना में बिहार के बड़े व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हर महीने बिहार में सैकड़ों व्यापारियों की हत्या हो रही है, लेकिन जंगलराज नहीं कह सकते? क्योंकि इसे ही शास्त्रों में छवि प्रबंधन कहते हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राजेश राठौड़ ने कहा कि पहले बेटे की हत्या और अब पिता की हत्या से साफ है कि बिहार में गुंडाराज का महातांडव चल रहा है। व्यापारी डर की वजह से यहां से भाग रहे हैं और कोई नया व्यापारी यहां आना नहीं चाहता। उन्होंने कहा, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अब इस्तीफा दे देना चाहिए या कम से कम गृह मंत्री का पद छोड़कर किसी युवा को यह जिम्मेदारी दे देनी चाहिए।"

## हाई कोर्ट के आदेश पर पुलिस बूथ को जेसीबी लगवाकर तोड़वाया

**● हाई कोर्ट के आदेश पर हुई यह कार्यवाही।**

**जौनपुर।** जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर सेवईनाला में दो महीने पहले बने नव निर्मित पुलिस बूथ को हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में जेसीबी लगवाकर तोड़वा दिया गया। जफराबाद थाना क्षेत्र के किरतापुर सेवईनाला में आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए बीते 5 मई को सीओ सिटी देवेश सिंह और तत्कालीन थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव के द्वारा नव निर्मित पुलिस बूथ का उद्घाटन किया गया था। इसी बीच बीते मई माह में किरतापुर गांव के राम बुझारत यादव हाई कोर्ट में जिस जमीन पर पुलिस बूथ बना था उसे चारा गाह की जमीन बताते हुए पी आई एल दाखिल कर दिया। जिसमें सुनवाई के उपरांत हाई कोर्ट ने 3 जुलाई को पुलिस अधीक्षक और मौजूदा थाना प्रभारी जफराबाद को हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि इस नव निर्मित पुलिस बूथ को चारा गाह की जमीन से तोड़वा कर हटवा दिया जाय। जिस पर हाई कोर्ट के आदेश के अनुपालन में शुक्रवार शाम तहसीलदार सदर सौरभ कुमार और थाना प्रभारी जफराबाद विश्वनाथ प्रताप सिंह फोर्स के साथ पहुच गए। अधिकारियों की उपस्थिति में जेसीबी लगवाकर पुलिस बूथ को तोड़वा दिया गया।

## मैं बिहार की सक्रिय राजनीति में आ रहा हूं, सभी 243 सीटों पर लड़ूंगा चुनाव... चिराग पासवान का ऐलान

**छपरा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने ऐलन किया कि उनकी पार्टी सूबे की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी. चिराग ने ये भी कहा कि उन्हें बिहार आने से रोकने की साजिश की जा रही है, लेकिन चिराग पासवान किसी से डरने वाला नहीं है।**

**स्वतंत्र प्रभात**

बिहार में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने है, जिसको लेकर सभी राजनीतिक दल तैयारियों में जुट गए हैं. सीट शेयरिंग और चुनावी रणनीति पर मंथन तेज हो गया. वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के चुनाव लड़ने को लेकर सियासत गरमाई हुई है. एक बार फिर उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वो बिहार में चुनाव लड़ेंगे. उनकी पार्टी सूबे की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और जमुई से सांसद चिराग पासवान ने एक जनसभा को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने ऐलान किया कि उनकी पार्टी बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी. उन्होंने कहा कि 'हर सीट पर चिराग पासवान खड़ा होगा'

**'कोई ताकत आरक्षण को खत्म नहीं कर सकती'**

चिराग पासवान ने कहा कि वह बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के लिए अपनी जान की बाजी लगा देंगे. उन्होंने कहा कि बहुत समय से यह अफवाह फैलाई जा रही है कि आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा जब तक रामविलास पासवान का बेटा चिराग पासवान जिंदा है तब तक दुनिया की कोई ताकत आरक्षण को खत्म नहीं कर सकती है।

**यह नवबिहार की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है।**

उन्होंने बिहार में पलायन रोकने के लिए कहा कि बिहार के लोग अपनी रोजी रोटी के लिए बाहर जाते हैं. हम चाहते हैं कि बिहार में ऐसी सरकार बने जो बिहार से बाहर जाने वाले लोगों को अपने घर अपने शहर अपने प्रखंड में रोजगार दे सके. उन्होंने कहा कि 2023 में गठबंधन की सरकार थी जिसमें उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री ऋछ्ठ से थे उस समय डोमिसाइल नीति को लाने का ख्याल क्यों नहीं उठाया गया जबकि हमने इसकी मांग की थी।

**'मुझे बिहार आने से रोकने की साजिश की जा रही है'**

जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख ने ये भी कहा कि हमें बार-बार बिहार आने से रोका जाता है. सीएम नीतीश कुमार का नाम लिए बिना उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें बिहार आने से रोकने की साजिश की जा रही है, लेकिन चिराग पासवान किसी से डरने वाला नहीं है. उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह चाहते हैं कि वह बिहार ना आएं और केंद्र की ही राजनीति करें लेकिन मैं बिहार में सक्रिय राजनीति में आ रहा हूं।

चिराग पासवान ने बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर सूबे की नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि बिहार में आए दिन हत्याएं हो रही हैं. हम सुशासन की सरकार के साथ हैं और अगर सुशासन की सरकार में इस तरह की वारदातें और हत्याएंहोती हैं तो हम इसका खुलकर विरोध करते हैं।

# वन, पशु और मानव - एक ही साँस की डोर पर टिके जीवन का महासंग्राम

**[ जब पशु बीमार पड़ते हैं, इंसान मरता है - ज़ूनोसिस का क्रूर सत्य ]**

एक नन्हा सा वायरस, किसी जंगल की गहराइयों में पल रहे प्राणी से जन्मा, पूरी मानव सभ्यता को हिलाकर रख सकता है। विश्व ज़ूनोसिस दिवस, जो हर 6 जुलाई को आता है, हमें यही कठोर सत्य याद दिलाता है–हमारी धरती कितनी नाज़ुक है, हमारे जीवन कितने आपस में जुड़े हैं। एक कुत्ते का काटना, एक चमगादड़ की उड़ान, या गाय के दूध में छिपा रोग, चुपके से हमारे घरों तक पहुँच सकता है। यह दिन केवल चेतावनी नहीं, बल्कि एक प्रबल जागृति की पुकार है। यह हमें बताता है कि हम और पशु एक ही साँस, एक ही धरती के बंधन में बँधे हैं। लापरवाही अब मंजूर नहीं–यह समय है सजग होने का, एकजुट होने का, और इस अदृश्य शत्रु से डटकर मुकाबला करने का। विश्व ज़ूनोसिस दिवस सिर्फ़ एक तारीख़ नहीं, यह एक संकल्प है–हमारी दुनिया को सुरक्षित रखने का, आज और हमेशा। ज़ूनोसिस–यह शब्द नहीं, एक चुपके से दस्तक देता तूफ़ान है, जो पशुओं से मनुष्यों तक छलाँग लगाकर सभ्यताओं को झकझोर सकता है। ग्रीक भाषा में "ज़ून" यानी पशु और "नोसिस" यानी रोग–यह वे अदृश्य शत्रु हैं जो जंगलों, खेतों और हमारे आसपास के प्राणियों से निकलकर हमारे घरों की देहरी लाँघ जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनी गूँजती है- विश्व के 60त्न संक्रामक रोग ज़ूनोटिक हैं, और 75% से अधिक नई बीमारियाँ पशुओं से जन्म लेती हैं। रेबीज, जो हर साल 59,000 जिंदगियों को निगल जाता है, जिसमें 40% मासूम बच्चे हैं; ब्रुसेलोसिस, जो भारत के गाँवों में चुपके से तबाही मचाता है; और कोविड-19, जिसने 70 लाख से अधिक लोगों को असमय छीन लिया–ये ज़ूनोसिस के भयावह चेहरे हैं। भारत में, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) की रिपोर्ट चीख-चीखकर बताती है- रेबीज हर साल 20,000 जिंदगियाँ छीन लेता है, जो वैश्विक आँकड़ों का एक तिहाई है। ये सिर्फ़ संख्याएँ नहीं, बल्कि टूटे परिवारों की अनसुनी पुकार हैं। 6 जुलाई का दिन इतिहास की एक ऐसी गूँज है, जो साहस और विज्ञान की विजय को गाती है। सन 1885 में, लुई पाश्चर ने रेबीज के टीके से एक मासूम बच्चे की जान बचाकर मानवता को एक नई उम्मीद दी। यह वह पल था, जब एक प्राणघातक रोग, जो एक बार पकड़ में आने पर 100त्न मृत्यु की सजा सुनाता है, पहली बार मानव के साहस के सामने घुटने टेका। रेबीज आज भी उन कोनों में कहर ढाता है, जहाँ जागरूकता की रोशनी मंद है और टीकाकरण का अभाव है। पाश्चर की यह जीत सिर्फ़ एक वैज्ञानिक मील का पत्थर नहीं, बल्कि एक ज्वलंत संदेश है–विज्ञान, दृढ़ता और सामूहिक संकल्प से कोई भी अदृश्य दुश्मन अजेय नहीं।

आज की यह लड़ाई पहले से कहीं अधिक जटिल और गहन है। भारत, जहाँ पशुपालन न केवल आजीविका का आधार है, बल्कि संस्कृति का हिस्सा है, वहाँ ज़ूनोटिक रोग एक निस्तब्ध, अदृश्य खतरा बनकर मँडराते हैं। ब्रुसेलोसिस, जो संक्रमित पशुओं के दूध या निकट संपर्क से फैलता है, ग्रामीण भारत में हज़ारों लोगों को लंबे बुखार और अंतहीन थकान की जकड़ में ले रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की चेतावनी गूँजती है–लेप्टोस्पायरोसिस और स्क्रब टाइफस जैसे रोग हर साल लाखों जिंदगियों को अपनी चपेट में लेते हैं। विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (ओआइई) का खुलासा और भी डरावना है–पशुजन्य रोगों से भारत को हर साल अरबों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन यह सिर्फ़ संख्याओं की कहानी नहीं; यह उन माँओं की पुकार है, जो अपने बच्चों को खो देती हैं; उन किसानों का दर्द है, जिनकी मेहनत की कमाई रोग की भेंट चढ़ जाती है। हमारी अपनी करतूतों ने इस संकट को जन्म दिया है–वनों की बेरहम कटाई, अनियंत्रित शहरीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने मनुष्य और जंगली जीवों के बीच की नाजुक रेखा को मिटा दिया है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की चेतावनी चौंकाने वाली है–पिछले कुछ दशकों में वन्यजीवों के आवास 70त्न तक सिकुड़ चुके हैं, जिसने नए वायरस और बैक्टीरिया को मानवता के दरवाज़े तक ला खड़ा किया है। कोविड-19 इसका सबसे भयावह प्रमाण है–एक ऐसी त्रासदी, जिसने न केवल लाखों जिंदगियाँ छीनीं, बल्कि पूरी दुनिया को घुटनों पर लाकर समय को जैसे स्थिर कर दिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का अनुमान डरावना है–इस महामारी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों डॉलर का नुकसान पहुँचाया। यह प्रकृति का कठोर संदेश है– उसके साथ छेड़छाड़ की सजा सिर्फ़ एक नहीं, पूरी मानवता भुगतती है।

"वन हेल्थ" दृष्टिकोण इस संकट के खिलाफ हमारा सबसे शक्तिशाली हथियार है। यह सिद्धांत चीख-चीखकर कहता है कि मनुष्य, पशु और पर्यावरण का स्वास्थ्य एक अटूट बंधन में बंधा है–एक की रक्षा, सबकी रक्षा। यदि हम पशुओं को स्वस्थ रखें, प्रकृति को सहेजें, तो मानवता का कवच अपने आप मज़बूत होगा। भारत सरकार ने इस दिशा में साहसिक कदम उठाए हैं–'राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम' के तहत फुट-एंड-माउथ डिज़ीज़ और ब्रुसेलोसिस जैसे रोगों के खिलाफ व्यापक टीकाकरण अभियान गूँज रहा है। साथ ही, 'राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम' का संकल्प है कि 2030 तक भारत रेबीज के भय से मुक्त होगा। मगर यह सपना तभी साकार होगा, जब समाज का हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभाए। हमें स्वच्छता को जीवन का मंत्र बनाना होगा, पालतू पशुओं का नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करना होगा, और दूषित मांस या दूध से दूरी बनानी होगी। विश्व ज़ूनोसिस दिवस केवल एक तारीख़ नहीं, बल्कि एक ज़ोरदार आह्वान है–एक ऐसी सामाजिक क्रांति का, जो अस्पतालों और प्रयोगशालाओं की दीवारों को तोड़कर हर गली, हर गाँव तक गूँजनी चाहिए।

यह हमें पुकारता है कि हम अपने बच्चों को स्कूलों में पर्यावरण और पशु स्वास्थ्य की रक्षा का पाठ पढ़ाएँ, उनकी चेतना को जागृत करें। मीडिया को डर की लहरें फैलाने के बजाय समाधान की रोशनी बिखेरनी होगी, जागरूकता के दीप जलाने होंगे। गाँव की पंचायतों से लेकर शहर की नगरपालिकाओं तक, हर स्तर पर एकजुट और संगठित प्रयास अब अनिवार्य हैं। सोचिए, एक छोटा सा गाँव भी अगली वैश्विक महामारी की चिंगारी बन सकता है! ज़ूनोटिक रोग न सीमाओं को मानते हैं, न जाति-वर्ग का भेद करते हैं। यह ऐसी आग है, जो एक चिंगारी से भड़ककर सारी दुनिया को राख कर सकती है।

विश्व ज़ूनोसिस दिवस हमें हमारी नाजुकता का कठोर दर्पण दिखाता है। हमारी सभ्यता भले ही कितने ही ऊँचे शिखर छू ले, पर यदि हमने प्रकृति और पशुओं के साथ अपने बंधन को नहीं संवारा, तो हमारा सारा गर्व पल में राख हो जाएगा। यह दिवस कोई औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि एक गूँजता हुआ आह्वान है–करुणा, जिम्मेदारी और साहस की राह पर चलने की प्रेरणा। यह हमें सिखाता है कि हमारी असली ताक़त हमारी एकजुटता में, हमारे विज्ञान की प्रगति में, और हमारी जागरूकता की ज्वाला में छिपी है। यह वह निर्णायक क्षण है, जब हमें चुनना है–क्या हम अपने बच्चों को एक ऐसी दुनिया सौंपना चाहते हैं, जहाँ हर सुबह डर की छाया के साथ आए, या एक ऐसी दुनिया, जो स्वस्थ, सुरक्षित और सामंजस्य से भरी हो? विश्व ज़ूनोसिस दिवस एक ऐतिहासिक चौराहा है–या तो हम आज सजग होकर अपने भविष्य को बचा लें, या अपनी लापरवाही की सजा अगली महामारी के रूप में भुगतें। यह वह घड़ी है, जब हमें विज्ञान की ताकत को अपनाना है, प्रकृति के प्रति श्रद्धा जागृत करनी है, और अपने समाज को एकता के सूत्र में बाँधना है। यह वह पल है, जब हमारा एक छोटा सा प्रयास, एक नन्हा कदम, मानवता की सबसे गौरवशाली विजय बन सकता है। इस 6 जुलाई को हम प्रण करें–हम न केवल अपने लिए, बल्कि इस धरती के हर प्राणी के लिए एक ऐसी दुनिया रचेंगे, जहाँ हर साँस जीवन की खुशबू बिखेरे, हर कदम उम्मीद की राह पर बढ़े। यह हमारा संकल्प हो–उस माँ धरती के लिए, जो हमें सींच रही है। यह हमारी हुंकार हो–एक स्वस्थ, एकजुट, और अडिग मानवता की हुंकार।

**प्रो. आरके जैन**

## संपादकीय

# आस्था, हादसा और 'माया'

इस देश में सबसे आसान पेशों में से एक है जीवित भगवान बनना। भारत में इस समय हजारों जीवित भगवान हैं। जिनमें से अनेक काफी लोकप्रिय और विवादास्पद भी हैं। हिन्दू धर्म को सबसे पुराना धर्म माना जाता है जिसकी जड़ें लगभग 5 हजार साल पहले से हैं। संतों की पूजा का इतिहास भक्ति आंदोलन के दौरान शुरू हुआ था। संत कबीर, संत रामानंद, चैतन्य महाप्रभु और कई अन्य ऐसी कुछ उल्लेखनीय आत्माओं को लोगों ने देखा और उनकी शिक्षाओं ने लोगों के जीवन को एक अर्थ दिया। अनेक संतों ने आम लोगों के साथ रहकर दूसरों की ही तरह दर्द महसूस किया और मानवता की भलाई के लिए बहुत काम किया। अनेक संत ऐसे भी हुए जिन्होंने भक्ति के साथ-साथ समाज सुधारों का भी काम किया। संत शब्द से तात्पर्य बोध कराने वाले से है। अर्थात् ऐसे महापुरुष जो सत् यानि ब्रह्म जीव एवं माया का बोध कराएं वह ही असली संत हैं। वर्तमान में सच्चा गुरु या सच्चा संत मिलना बहुत मुश्किल है।

आज भारत के कोने-कोने में बाबा लोग बैठे हैं। आज के दौर में बाबा बनना सबसे बड़ा स्टार्टअप हो गया है। उनमें से केवल मुट्ठीभर ही लोगों की मदद करने की इच्छा रखते हैं। संतों के सामने झुकना भारतीय संस्कृति है। बाबा को बस इतना करना है कि लोगों को बताना है कि सब ठीक हो जाएगा। जब किसी का काम किसी और कारण?से पूरा हो जाता है तो वह बाबा को श्रेय देने लगता है। धीरे-धीरे बाबा की ख्याति उनके संचार कौशल के आधार पर दूर-दूर तक फैल जाती है। आज कल पर्ची वाले बाबा के नाम से मशहूर बागेश्वर धाम के बाबा पंडित धीरेन्द्र शास्त्री चर्चा में बने हुए हैं। ताली बजाते चुटीले अंदाज, पर्चे पर भक्तों के सवाल, चमत्कार सनातन धर्म और हिन्दुत्व की बातें, सत्ता में बैठे लोगों का संरक्षण, अजीव व्यवहार, विवादित बयान, जमीन पर कब्जे के आरोप, इन सबके बीच बाबा की लोकप्रियता टॉप पर जा पहुंची है। मध्य प्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम में बुधवार को उनके जन्मदिन कार्यक्रम के एक दिन पहले उनके दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालुओं पर बारिश और आंधी के बीच पंडाल गिर जाने से एक श्रद्धालु श्याम लाल की मृत्यु हो गई और 10 अन्य श्रद्धालु घायल हो गए।

सोशल मीडिया पर आज कुछ टिप्पणियां देखने को मिलीं। लोग कह रहे हैं कि काश बाबा ने मृतक श्रद्धालु की पर्ची निकालकर पहले ही उसका भविष्य जान लिया होता तो शायद वह हादसे से बच जाता। बाबा लोगों की पर्ची निकालकर उनके बारे में भविष्य बताने का दावा करते हैं। मैं संत पुरुषों के तप, सिद्धियों और आध्यात्मिक ज्ञान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। एक कहावत है 'आए थे हरि भजन को ओटन लगे कपास' इसका अर्थ है ईश्वर का भजन करने आए?थे सांसारिक मोहमाया और आनंद का मजा लेने लगे। पंडित धीरेन्द्र किशन के लाइफ स्टाइल को देखकर हैरानी होती है। बाबा की विदेश यात्राओं के दौरान चमचमाती बेशकीमती गाड़ियां, महंगे परिधान और चश्मे देखकर संदेह उत्पन्न होता है कि क्या वह संत पुरुष हैं? सवाल श्रद्धालुओं की आस्था का है और सवाल हादसे पर भी उठ रहे हैं।

हाल ही में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उन पर अंडर टेबल पैसे लेने का आरोप लगाया। जिसकी काफी चर्चा हो रही है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बाबाओं से कथा कराना आम आदमी के बस की बात नहीं है। इन कथाओं पर लाखों रुपए का खर्च आता है। धीरेन्द्र शास्त्री विवादित बयानों के चलते भी अखबारों में छाये रहते हैं। अब सवाल यह है कि भारत में लोग मनुष्य को भगवान क्यों मानने लग जाते हैं। आश्चर्य तब होता है जब अनेक बाबा हत्या और बलात्कार के आरोप में सजा भुगत रहे हैं। एक बाबा तो लाल चटनी हरी चटनी लोगों को खिलाकर धन ऐंठते रहे। कुछ सैक्स स्कैंडलों में पकड़े गए। हाथरस में एक बाबा की चरण?धूलि लेने के लिए 125 के लगभग श्रद्धालु भगदड़ में मारे गए। फिर भी अंध आस्था के चलते धर्मभीरू लोग इंसान को अद्भुत और आलौकिक बना रहे हैं। हालांकि ऐसे फर्जी गुरुओं और बाबाओं के हत्या, बलात्कार, कर चोरी और धोखाधड़ी जैसे अपराधों में शामिल होने की खबरें सामने आती रहती हैं। फिर भी भारत में इन बाबाओं के प्रति आस्था का जुनून जारी है। ''भारत में ऐसे बाबाओं की कोई कमी नहीं है जिन्हें अलग-अलग नामों से बाबा, गुरु, संत या स्वामी कहा जाता है, जो खुद को भगवान के साथ विश्वासियों के रूप में पेश?करते हैं। वे भगवान से सीधे संवाद करने का दावा करते हैं और भविष्य की घटनाओं की भविष्यवाणी करने की शक्ति रखते हैं। सच्चाई यह है कि वे ठग हैं।

भारतीय इन स्वयंभू बाबाओं के पास इसलिए आते हैं क्योंकि उनका मानना है कि मुख्यधारा की राजनीति और धर्म ने उन्हें निराश किया है। इसलिए जब उनके दुःखों को दूर करने के लिए कोई राजनेता या पुजारी नहीं होता तो वे मदद के लिए गुरुओं, बाबाओं, पादरियों और मौलवियों की ओर रुख करते हैं। कई मायनों में हाल ही में भोले बाबा जैसे बाबाओं का उदय हमें इस बारे में कुछ बताता है कि कैसे पारम्परिक राजनीति और धर्म बड़ी संख्या में लोगों को निराश कर रहे हैं। इसलिए ये लोग अनुयायी बन जाते हैं और कुछ सम्मान और गुणवत्ता की तलाश में अपरम्परागत धर्म की ओर रुख करते हैं। लोकतांत्रिक आधुनिक दुनिया के कई हिस्सों में ऐसे समूह उभरे हैं। भारत एक बहुजातीय और बहुधार्मिक देश है और यहां के लोग भगवान के प्रति आस्थावान आसानी से हो जाते हैं। आज के दौर में सच्चे संत की पहचान करना बहुत मुश्किल है। धर्म के नाम पर केवल धंधा चल रहा है और इन बाबाओं की चमत्कारी शक्तियों पर विश्वास करना अपरिपक्वता है। ऐसे में मनुष्य को विचारवान बनना ही होगा।

# सावधान..खतरे में है आपका बच्चा

मोबाइल और इंटरनेट की सुविधा ने लोगों की जिंदगी के तमाम काम आसान कर दिए हैं..ये इंटरनेट और मोबाइल आज हर घर की ही नहीं बल्कि हर व्यक्ति की सबसे जरूरी जरूरत बन चुके हैं। मोबाइल से जहां एक तरफ आपके तमाम काम हो रहे हैं वहीं इंटरनेट के साथ मिलकर मोबाइल मनोरंजन का एक शानदार साधन भी बन चुका है.. लेकिन सावधान..! ये मोबाइल और इंटरनेट आपके लिए जितना फायदेमंद है, आपके बच्चों के लिए उतना ही घातक और जानलेवा भी साबित हो सकता है.. अमूमन बच्चों को लोग कई बार अपनी सुविधानुसार मोबाइल दे देते हैं तो कई बार माताएं घर का काम करते वक्त बच्चे को बिजी रखने के लिए मोबाइल पकड़ा देती हैं और इस चक्कर में बच्चों को धीरे धीरे मोबाइल की बुरी लत लग जाती है और ये कहानी किसी एक घर या परिवार की नहीं बल्कि लगभग हर उस घर की बन चुकी है जहां छोटे छोटे बच्चे हैं। मोबाइल फोन की लत आपके बच्चों के लिए कितनी खतरनाक है..इसका खुलासा JLNMCH ने

अपनी एक रिपोर्ट में किया, जो उन सभी पैरेंट्स के लिए परेशानी का सबब है जो अपने बच्चों को बिना सोचे समझे मोबाइल पकड़ा देते हैं। मोबाइल फोन की ये लत मासूम बच्चों का बचपन छीन कर उनके मानसिक विकास को प्रभावित करने के साथ ही उनके व्यक्तित्व के विकास पर भी गहरा और नकारात्मक असर डाल रही है। शायद आपको अजीब लगे लेकिन, स्थिति ये है कि अब बच्चों को खाना खाते समय माँ का हाथ नहीं बल्कि मोबाइल में रिल्स या कार्टून देखना थोड़ा ज्यादा भा रहा है। बच्चे माँ के साथ लाड़ प्यार से ज्यादा अपना पसंदीदा कार्टून देखना पसंद कर रहे हैं।

स्मार्टफोन के ज्यादा इस्तेमाल से आपके बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं..अगर चौकानें वाले एक आंकड़े की मानें तो 12 से 18 महीने की उम्र के बच्चों में भी स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बढ़ोत्तरी देखी गई है। बच्चे मोबाइल स्क्रीन को आंखों के बहुत नजदीक ले आते हैं, जिससे आंखों को नुकसान पहुंचता है.. दूसरी तरफ मनोविशेषज्ञों के पास आ रहे केसों में तमाम केस ऐसे भी आ रहे हैं जिनमें बच्चे अपने पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर की तरह ही हरकतें करने लगते हैं, जिसके कारण उनके दिमागी विकास में बाधा पहुंचती है। इसके साथ ही गेम बहुत ज्यादा खेलने वाले बच्चों के व्यवहार में सामान्य बच्चों की अपेक्षा अधिक आक्रामकता देखी जा रही है, बात बात पर चिड़चिड़ापन, जल्दी गुस्सा हो जाना, मोबाइल न मिलने पर गुमशुम रहना जैसी आदतों में इजाफा बच्चों के मानसिक ही नहीं बल्कि उनके सामाजिक विकास में भी खतरा बन सकता है। माता-पिता एक राय रखें। यदि मोबाइल या किसी और चीज़ के लिए मां ने मना किया है तो पिता भी मना करें, नहीं तो बच्चे यह जान जाते हैं कि किससे परमिशन मिल सकती है और फिर वो उसी से जिद करते हैं..

**कैसे बचाएं बच्चों को मोबाईल के खतरे से..**

मोबाईल पाने के लिए बच्चे कई बार इमोशनल ड्रामा करते हैं, बच्चों का इमोशनल ड्रामा सहन न करें।, हर बार मोबाईल मांगने पर न दें। एक दिन 'न' और दूसरे दिन 'हां' न कहें। बच्चा रोने लगे तो ध्यान न दें। कोशिश करें कि बाद में प्यार से समझाएं।, बच्चे के साथ माता पिता, साथ में क्वालिटी टाइम जरूर बितायें।, मोबाइल के लिए एक समय निर्धारित करें साथ ही इंटरनेट पर मौजूद ज्ञानवर्धक चीजों को बच्चे के साथ देखें।ध्यान रखिये..बच्चे आपके हैं तो उनके मानसिक विकास से लेकर उनके भविष्य तक कि चिंता भी आपको ही करनी है न कि मोबाइल कंपनियों को..!

**हंसराज चौरसिया**

# आरएसएस की पसंद का होगा नड्डा का उत्तराधिकारी

**यह दिलचस्प है कि पिछले दो हफ्तों में नियुक्त किए गए सभी नौ नए भाजपा प्रमुख आरएसएस के कम प्रोफ़ाइल वाले कार्यकर्ता हैं। ऐसा लगता है कि हाईफाई नेताओं के बजाय धरातल पर काम करने वाले संघ के कार्यकर्ताओं को कमान देकर यह संदेश दिया गया है कि पार्टी के लिये काम करने वालों को संगठन में उचित सम्मान मिलेगा। जे.पी. नड्डा के उत्तराधिकारी के रूप में नए पार्टी अध्यक्ष की नियुक्ति में भी किसी ऐसे ही व्यक्ति को कमान दी जा सकती है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखता हो। चुनाव प्रक्रिया में समर्पित कार्यकर्ताओं को तरजीह देकर आरएसएस ने दिखाया है कि पार्टी और संगठन के लिये काम करने वालों का ध्यान रखा जाएगा।**

**संघ के समर्पित कार्यकर्ताओं में से ही राज्यों में भाजपा की कमान संभाली, जिसमें चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल भी शामिल है। भाजपा के हलकों में इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि आरएसएस नए पार्टी अध्यक्ष को लेकर मंथन कर रही है और भाजपा अध्यक्ष को लेकर संघ की राय अहम होगी। नड्डा का कार्यकाल दिसंबर 2023 में समाप्त हो गया था लेकिन भाजपा अभी तक उनके उत्तराधिकारी का चयन नहीं कर पाई है। इस बार कोई चौंकाने वाला नाम सामने आ सकता है।**

**ट्रंप के रवैये को लेकर सतर्कता बरत रही मोदी सरकार**

**मोदी सरकार ट्रम्प प्रशासन के साथ अपने व्यवहार में सावधानी बरतना सीख रही है। ऐसा तब हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार दावा किया था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद संघर्ष विराम की मध्यस्थता की थी। हाल ही में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह अपने अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद रक्षा मंत्रालय द्वारा राजनाथ सिंह की हेगसेथ के साथ अपनी बातचीत में तथ्यों का खास ध्यान रखा गया। इसीलिए इस बातचीत से जुड़ी रिपोर्ट में पाकिस्तान या पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का कोई उल्लेख नहीं था। इसमें आतंकवाद का व्यापक संदर्भ था, लेकिन किसी देश का नाम नहीं था। जाहिर है, रक्षा मंत्रालय सोच-समझ कर आगे बढ़ रहा है। इस संदर्भ में बस इतना कहा गया कि राजनाथ सिंह और हेगसेथ ने सभी तरह के आतंकवाद से लड़ने की आवश्यकता की पुष्टि की है। यह तथ्य उस समय उभर कर सामने आया जब खबर आई कि वाशिंगटन में क्वाड मीटिंग में आतंकवाद और हाल ही में पहलगाम नरसंहार के संदर्भ में पाकिस्तान का उल्लेख करने से परहेज किया गया था। क्वाड के संयुक्त बयान में आतंकवाद की निंदा की गई, लेकिन इस संदर्भ में पाकिस्तान या किसी अन्य देश का जिक्र नहीं किया गया। इन दिनों अमेरिका के साथ व्यवहार करते समय सावधानी बरतना नया मंत्र है। ट्रंप प्रशासन स्थापित कूटनीतिक नियमों के अनुसार चलने से इनकार करता है।**

**आदिवासियों के लिये शिवराज चौहान अपनी सरकार के सामने अड़े**

**केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भले ही शारीरिक रूप से दिल्ली में हों, लेकिन उनका दिल और दिमाग अभी भी मध्य प्रदेश में है, जहां वे तीन कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहे। हालांकि उनके सहयोगी इस बात से इनकार करते हैं कि वे राज्य में शासन के मुद्दों में हस्तक्षेप कर रहे हैं, लेकिन चौहान जमीनी स्तर पर अपनी बात रखते हैं और अपने पास आने वाले लोगों की मदद करने के लिए आगे आते हैं। उनकी सबसे हालिया सक्रियता सीहोर और देवास जिलों में विरोध प्रदर्शन कर रहे आदिवासियों का समर्थन करना था, जब उनके घरों को प्रस्तावित सरदार वल्लभभाई वन्य जीव अभयारण्य बनाने के लिए ध्वस्त कर दिया गया था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की नाराजगी के बावजूद, चौहान प्रदर्शनकारियों के साथ उनसे मिलने भी गए। आदिवासियों के साथ चौहान की मुलाकात के बाद मोहन यादव ने अपने अधिकारियों को अभयारण्य की योजना को रोकने का आदेश दिया। चौहान को मध्य प्रदेश में मामा के नाम से जाना जाता था। जाहिर है, वे राज्य के लोगों के लिए बहुत प्यारे मामा हैं।**

## अनुच्छेद 142 जब न्याय स्वयं संविधान का आखिरी संकल्प बन जाए

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसकी आधारशिला केवल विधिक प्रावधानों पर नहीं टिकी, बल्कि नैतिक मूल्यों, सामाजिक संवेदनाओं और न्याय की सार्वभौमिक अवधारणा पर आधारित है। संविधान के इन्हीं स्तंभों में एक स्तंभ ऐसा है, जो न केवल न्यायपालिका को विधि के सामान्य ढाँचे से परे जाकर निर्णय देने का अधिकार देता है, बल्कि यह भरोसा भी जगाता है कि जब सारे दरवाज़े बंद हो जाएँ, तब भी न्याय का एक रास्ता बचा रहेगा। यह शक्ति है अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय की वह संवैधानिक धुरी, जो पूर्ण न्याय के विचार को व्यावहारिक और सशक्त बनाती है अनुच्छेद 142 यह घोषित करता है कि सर्वोच्च न्यायालय अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए किसी वाद में ऐसा आदेश या डिक्री पारित कर सकता है, जो उसके समक्ष लंबित मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक हो। इस प्रकार पारित आदेश भारत के संपूर्ण क्षेत्र में लागू होते हैं, और वे तब तक लागू रहते हैं जब तक कि संसद द्वारा कोई अलग विधिक व्यवस्था न की जाए।

यही नहीं, इस अनुच्छेद के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट को यह भी शक्ति प्राप्त है कि वह किसी व्यक्ति को तलब कर सके, दस्तावेज़ों की पेशी सुनिश्चित करा सके या अवमानना के मामलों में दंड भी दे सके। यह अनुच्छेद भारतीय न्याय व्यवस्था की उस समझ को प्रतिबिंबित करता है जो यह स्वीकार करता है कि न्याय का मार्ग सदा सीधा, सरल और पहले से निर्धारित नहीं होता। संविधान निर्माताओं को भलीभाँति ज्ञात था कि आने वाले समय में भारत जैसे विविधतापूर्ण और जटिल समाज में कई बार ऐसे सामाजिक, नैतिक और कानूनी प्रश्न उठ खड़े होंगे जिनका उत्तर पूर्वनिर्धारित विधियों से संभव नहीं होगा। इसलिए अनुच्छेद 142 को एक संवैधानिक सेफ्टी वाल्व के रूप में स्थापित किया गया। जहाँ न्यायालय विधि से बाहर जाकर भी न्याय कर सके, बशर्ते वह न्याय पूर्ण हो, नैतिक हो और संविधान की आत्मा से मेल खाता हो। इतिहास इस बात का साक्षी है कि सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 का प्रयोग अत्यंत विवेक और ज़िम्मेदारी से किया है। जब 1984 की भोपाल गैस त्रासदी हुई और देश की विधिक संरचना उस भयावह आपदा के लिए तैयार नहीं थी, तब सर्वोच्च न्यायालय ने इसी अनुच्छेद का सहारा लेकर यूनियन कार्बाइड से समझौता कराया और पीड़ितों को मुआवज़ा दिलवाया। जब बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद दशकों से राजनीतिक और धार्मिक जटिलताओं में उलझा हुआ था, तब सर्वोच्च न्यायालय ने अंतिम समाधान देते हुए अनुच्छेद 142 के अंतर्गत वह रास्ता प्रशस्त किया जिससे सामाजिक शांति कायम रखी जा सके। यह अनुच्छेद केवल न्याय की पुनर्स्थापना का माध्यम नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता का संरक्षण भी है। आज जब न्यायपालिका के समक्ष पर्यावरणीय संकट, मानवाधिकारों का उल्लंघन, जातीय हिंसा, विधिक जटिलताएँ और प्रशासनिक निष्क्रियता जैसे अनेक प्रश्न आ खड़े होते हैं, तब अनुच्छेद 142 वह शक्ति बनकर उभरता है जो न्याय को गतिशीलता और प्रभावशीलता प्रदान करता है।

वर्तमान समय में इस अनुच्छेद की प्रासंगिकता और भी अधिक बढ़ गई है। तकनीक के युग में जब न्यायपालिका को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डिजिटल सबूत, ऑनलाइन सुनवाई और साइबर अपराध जैसे नए मोर्चों से जूझना पड़ रहा है, तब सर्वोच्च न्यायालय ने इस अनुच्छेद के माध्यम से न्यायिक प्रक्रियाओं में आधुनिकता और लचीलापन लाने का कार्य किया है। अदालतों को निर्देशित किया गया कि वे तकनीकी ढाँचा विकसित करें, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को विधिक मान्यता दें और ऐसे लोगों के लिए भी न्याय की पहुँच सुनिश्चित करें जिनके पास साधन नहीं हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि अनुच्छेद 142 न केवल निर्णय का माध्यम है, बल्कि न्याय की प्रणाली को सशक्त और समावेशी बनाने का औजार भी है। इस अनुच्छेद को लेकर एक गूढ़ चिंतन यह भी रहा है कि क्या इससे न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका से ऊपर मान लिया जाए। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं स्पष्ट किया है कि अनुच्छेद 142 का प्रयोग मौजूदा क़ानूनों को प्रतिस्थापित करने के लिए नहीं, बल्कि उनके अभाव या अपर्याप्तता की स्थिति में विकल्प के रूप में किया जा सकता है। यह अधिकार असीम अवश्य है, लेकिन मनमाना नहीं। इसका उपयोग संयम और विवेक के साथ किया गया है और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। उपराष्ट्रपति द्वारा इसे न्यूक्लियर मिसाइल कहे जाने का आशय यह है कि यह अंतिम उपाय की शक्ति है वह संवैधानिक अस्त्र जिसे केवल असाधारण परिस्थितियों में सक्रिय किया जाता है। यह विध्वंस के लिए नहीं, बल्कि न्याय की स्थापना और संविधान की रक्षा के लिए है। यह उस गहरी सोच का परिणाम है जिसमें न्याय केवल व्यवस्था बनाए रखने का उपकरण नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नैतिक उन्नयन का माध्यम भी होता है। अनुच्छेद 142 हमें यह भी सिखाता है कि संविधान केवल नियमों का संकलन नहीं, एक जीवंत संकल्प है जो समय के साथ विकसित होता है, समाज के अनुरूप ढलता है और न्याय की संकल्पना को नए आयाम देता है। यह अनुच्छेद एक पुल की तरह कार्य करता है विधि और विवेक, संविधान और सामाजिक न्याय, प्रक्रिया और परिणाम के बीच संतुलन स्थापित करते हुए।यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का परिचायक है कि एक तरफ विधायिका कानून बनाती है, दूसरी ओर कार्यपालिका उन्हें लागू करती है, और जब ये दोनों किसी स्थिति को संभालने में असमर्थ हो जाते हैं, तब न्यायपालिका अपने संवैधानिक अधिकारों के साथ आगे आती है न किसी सत्ता की लालसा से, न किसी हस्तक्षेप की प्रवृत्ति से, बल्कि केवल इसलिए कि न्याय होना चाहिए और होता हुआ दिखना भी चाहिए। इसलिए अनुच्छेद 142 केवल एक अनुच्छेद नहीं, संविधान का वह संकल्प है जहाँ न्याय अंतिम सत्य बनकर उभरता है। यह न्यायपालिका के विवेक, राष्ट्र की आत्मा और संविधान के आदर्शों का संगम है और यही इसकी महानता है।

**सोनाली भट्टाचार्य**
**अधिवक्ता, झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची**

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

## संक्षिप्त खबरें

### मोहर्रम के आठवीं के जुलूस में उमड़ा जन सैलाब पुलिस प्रशासन मुस्तैद

**महराजगंज/रायबरेली।** मोहर्रम के त्यौहार के मंदे नजर जहां क्षेत्र के अनेक गांवों में प्रतिदिन अलग-अलग तरह से मोहर्रम के त्योहार को लेकर जुलूस निकाले जा रहे हैं तो वहीं आज सुबह महराजगंज वारसी नगर से भी एक विशाल जुलूस का आयोजन किया गया जिसमें भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा बताते चले कि आज दिन शुक्रवार कस्बे के वार्ड नंबर 5 वारसी नगर से मोहर्रम के आठवीं के मौके पर एक विशाल जुलूस का सुबह से निकाला गया जो वारसी नगर से होते हुए रंधावा रोड व घस मंडी तिराहा से होते हुए कस्बे के मुडू का पूर्वा में पहुंचकर जुलूस का समापन किया गया जिस पर चपे चपे पर भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा तो वही विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी आज के मोहर्रम के आठवीं के जुलूस के अवसर पर युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपने-अपने प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया इस मौके पर लाल मनिहार मोहम्मद फारूक बाबू मुस्तकीम अली अमजद इरशाद आलम फिरोज अहमद मोहम्मद मारूफ मोहम्मद अलीम नूरुल हसन मुस्ताक रायानी मोहम्मद इश्तियाक हाजी जिया उल हक मोहम्मद इमरान मोहम्मद रज्जू मोहम्मद मजीद मोहम्मद अनस असगर मदारिया व एस आई दिनेश गोस्वामी के साथ भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा।

### केंद्र ने पुल, फ्लाईओवर, सुरंग वाले राजमार्गों के लिए टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कटौती की

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने वाहन चालकों को बड़ी राहत देते हुए राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछ हिस्सों पर टोल रेट्स में 50 प्रतिशत तक की कमी की है। इन हिस्सों में सुरंग, पुल, फ्लाईओवर और एलिवेटेड रोड जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य यात्रा की लागत को कम करना और

सड़क यात्रा को लोगों के लिए अधिक किफायती बनाना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियम, 2008 में संशोधन किया है और टोल चार्ज की गणना के लिए एक नया फॉर्मूला अधिसूचित किया है।

नए नियम के अनुसार, अब टोल की गणना इस तरह से की जाएगी कि राजमार्ग के उन हिस्सों पर शुल्क में कमी आएगी, जिनमें मुख्य रूप से महंगे इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। अधिसूचना के अनुसार, अगर राष्ट्रीय राजमार्ग के किसी हिस्से में फ्लाईओवर या सुरंग जैसे स्ट्रक्चर शामिल हैं तो टोल की गणना या तो स्ट्रक्चर की लंबाई का दस गुना या राजमार्ग खंड की कुल लंबाई का पांच गुना दोनों में से कम मूल्य के आधार पर की जाएगी। मंत्रालय ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर राजमार्ग का 40 किलोमीटर का हिस्सा पूरी तरह से पुल या फ्लाईओवर जैसे स्ट्रक्चर से बना है तो टोल की गणना स्ट्रक्चर की लंबाई का 10 गुना (400 किमी) या कुल लंबाई का 5 गुना (200 किमी) में से कम मूल्य आधार यानी 200 किमी के आधार पर की जाएगी, जिससे प्रभावी रूप से दर आधी हो जाएगी। इससे पहले, वाहन चालकों को ऐसे स्ट्रक्चर के प्रत्येक किलोमीटर के लिए नियमित टोल दर से दस गुना अधिक भुगतान करना पड़ता था, क्योंकि इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और रखरखाव अधिक महंगा होता है। इस बीच, परेशानी मुक्त राजमार्ग यात्रा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले महीने निजी वाहनों के लिए एक नए फास्टैग-आधारित वार्षिक पास की घोषणा की। 3,000 रुपए की कीमत वाला यह पास इस साल 15 अगस्त से उपलब्ध होगा। **विशेष रूप से गैर-**वाणिज्यिक निजी वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए डिजाइन किया गया यह वार्षिक पास एक्टिवेशन की तारीख से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, तक वैलिड रहेगा।

# यूपीएल फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज ने जमकर की गुंडागर्दी ,ट्रक चालक को लाठी- डंडों से बेरहमी से पीटा

**● .....ट्रक चालक के साथ हुई मारपीट का सोशल मीडिया में खूब हुआ वीडियो वायरल।**

**स्वतंत्र प्रभात**

**मोहनलालगंज।** लखनऊ, मोहनलालगंज कस्बे में स्थित यूपीएल फैक्ट्री में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। फैक्ट्री में माल उतारने के बाद वापस लौट रहे ट्रक चालक अजय कुमार तिवारी के साथ फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज सहित करीब 5 से 6 लोगों ने बेरहमी से मारपीट की। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें चालक को पकड़कर पीटे जाने की तस्वीरें साफ देखी जा सकती हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चालक अजय कुमार तिवारी फैक्ट्री में माल सप्लाई करके जैसे ही बाहर निकला, फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज ने किसी बात को लेकर उसे रोक लिया। देखते ही देखते वहां मौजूद करीब आधा दर्जन लोगों ने उसे लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि कुछ लोग अजय को पकड़े हुए हैं, जबकि बाकी लोग उस पर लगातार हमला कर रहे हैं।स्थानीय लोगों ने बताया यह कोई पहली बार नहीं है जब यूपीएल फैक्ट्री के कर्मचारियों पर इस तरह के आरोप लगे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि फैक्ट्री के गार्ड और इंचार्ज का रवैया पहले से ही काफी बदसलूकी भरा रहा है। आए दिन ड्राइवरों और स्थानीय लोगों के साथ उनके द्वारा बदतमीजी और मारपीट की घटनाएं सामने आती रही हैं।ट्रक चालक के साथ मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्रीय लोगों और ट्रक यूनियन में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।घटना के बाद अब तक फैक्ट्री प्रबंधन या स्थानीय प्रशासन की ओर से कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है, जिससे लोगों में नाराजगी और बढ़ रही है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि आखिर कैसे एक निजी फैक्ट्री में इस तरह की मनमानी और हिंसा को खुली छूट दी जा रही है। ट्रक चालक अजय कुमार तिवारी के साथ हुई यह बर्बरता न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि कैसे कुछ निजी संस्थानों में अनुशासन के नाम पर गुंडागर्दी को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और दोषियों को कब तक सजा मिलती है। वही मोहनलालगंज थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित ट्रक चालक द्वारा दी गई तहरीर पर हल्का दरोगा को जांच के लिए आदेशित किया है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

# नीम करौली बाबा पर बनी पहली फ़िल्म से शुरू हुई 'स्वभू' की यात्रा- डॉ. विशाल चतुर्वेदी का लोकसंस्कृति को नया सलाम

**स्वतंत्र प्रभात**

**'डिवाइन डिटूअर- दैट चेंज्ड माय लाइफ' से प्रेरित फ़िल्में**

यह पूरी फ़िल्म श्रृंखला डॉ. विशाल की बहुचर्चित पुस्तक 'डिवाइन डिटूअर- दैट चेंज्ड माय लाइफ' पर आधारित है, जिसे 'ट्रुथ एंड सोशल पब्लिकेशन' ने प्रकाशित किया है। पुस्तक का विमोचन और फ़िल्म के पहले पोस्टर का लोकार्पण प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ही किया गया।

इस अवसर पर डॉ. चतुर्वेदी ने कहा, "कहानियाँ वही सबसे अधिक प्रभाव छोड़ती हैं जो जमीन से उठती हैं। छोटे कस्बे, गाँवों की बोली, संस्कृति और स्मृतियाँ- यही असली भारत है। यही स्वभू का भी मूल दर्शन है।"

**'स्टेज' के साथ साझेदारी- भाषाओं और गांवों तक पहुंच का वादा**

'स्वभू' को डिजिटल और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म 'स्टेज' का सशक्त सहयोग मिला है, जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी जैसी भाषाओं में स्थानीय कंटेंट को प्रस्तुत करता है। 'स्टेज' के सह-संस्थापक एवं मुख्य क्रिएटिव अधिकारी परवीन सिंगल ने बताया कि उन्हें गर्व है कि बाबा नीम करौली पर बनने वाली इस फ़िल्म के डिजिटल साझेदार के रूप में वे जुड़े हैं। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य है कि स्थानीय जड़ों से उपजी कहानियाँ सिर्फ स्क्रीन तक न रुकें, बल्कि हर गांव, हर घर के मोबाइल तक पहुँचें।"

यह साझेदारी यह स्पष्ट करती है कि अब भारत की लोककथाओं, संत परंपराओं और सांस्कृतिक अनुभवों को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए तकनीक और लोकसंवाद एक साथ आए हैं।

**एक रचनात्मक यात्रा0 गाँव से ग्लोबल तक**

डॉ. विशाल चतुर्वेदी उत्तर प्रदेश में पले-बढ़े हैं और उन्होंने गोरखपुर से अपनी मेडिकल पढ़ाई पूरी की है। चिकित्सा के क्षेत्र से लेकर सिनेमा और साहित्य तक, उनकी रचनात्मक यात्रा अद्वितीय रही है। उन्होंने 'गुलाब गैंग', 'हुड़दंग' और 'डेढ़ बीघा ज़मीन' जैसी फ़िल्मों में योगदान दिया है और हाल ही में लिखी गई उनकी टेलीविज़न सीरीज़ 'फौजी-2' इन दिनों दूरदर्शन पर प्रसारित हो रही है। वे अनुभव सिन्हा और विवेक अग्निहोत्री जैसे प्रतिष्ठित निर्देशकों के साथ वर्षों तक काम कर चुके हैं।

**'स्वभू'0 सिर्फ एक मंच नहीं, एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण**

'स्वभू' का लक्ष्य है स्थानीय कलाकारों, रचनाकारों और कहानीकारों को एक ऐसा मंच देना जहाँ वे बिना मेट्रो शहरों की ओर पलायन किए, अपने ही गांव या शहर से काम कर सकें और अपनी भाषा, संस्कृति व परंपरा को गर्व से प्रस्तुत कर सकें। डॉ. विशाल ने कहा, "आज समय आ गया है कि हम पश्चिम की नकल छोड़कर अपनी मिट्टी की ओर लौटें- जहाँ नीम करौली बाबा जैसे संत पैदा हुए, जहाँ तुलसीदास की चौपाइयाँ गूंजती रहीं और जहाँ हर आंगन में कोई कथा जन्म लेती है।"

# योगी सरकार की पहल, बौद्ध-सिख श्रद्धालुओं के लिए दो तीर्थ यात्रा योजनाएं होंगी शुरू

**स्वतंत्र प्रभात**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर्थ यात्राएं भारतीय संस्कृति में आत्मिक उत्थान और सामाजिक समरसता का माध्यम रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार का दायित्व है कि वह नागरिकों को उनकी आस्था से जुड़े स्थलों तक पहुंचने में सहायता प्रदान करे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं हेतु 'बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना' और सिख श्रद्धालुओं के लिए 'पंच तख्त यात्रा योजना' प्रारंभ की जाए। इन योजनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें।

मुख्यमंत्री की मंशानुसार, बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के हिंदू और बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा पूरी कराना है। मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसी प्रकार, पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के सिख श्रद्धालुओं को भारत के पांच पवित्र 'तख्त साहिब' स्थल की यात्रा कराई जाएगी। सिख पंथ के लिए पवित्र पंच तख्त स्थलों में 'श्री आनंदपुर साहिब, पंजाब, श्री अकाल तख्त साहिब, अमृतसर, पंजाब, श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो, पंजाब, श्री तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र, श्री हरमंदिर जी साहिब (पटना साहिब), बिहार', शामिल हैं।

प्रस्तावित दोनों ही योजनाओं में प्रति व्यक्ति न्यूनतम 10,000 रुपए की राशि अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी जानी चाहिए, श्रद्धालुओं के चयन में पूरी पारदर्शिता के साथ कमजोर आय वर्ग के लोगों को वरीयता दी जानी चाहिए। दोनों ही योजनाएं आईआरसीटीसी के सहयोग से संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ये दोनों योजनाएं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लागू की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि ये योजनाएं प्रदेश की समावेशी विकास नीति और 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को सशक्त करेंगी। प्रदेश की धार्मिक सहिष्णुता और पर्यटन को नया आयाम देंगी, साथ ही 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को भी मूर्त रूप प्रदान करेंगी।

## आजीवन करवास की सजा काट रहे कपिल और सूरजभान से मिलने पहुंचे उदयभान

**नैनी जेल में बंद है दोनों भाई, उदयभान को अच्छे आचरण पर मिली रिहाई।**

**प्रयागराज।** नैनी सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व एमएलसी सूरज भान करवरिया और रामचंद उर्फ कल्लू से मिलने उनके भाई पूर्व विधायक उदयभान करवरिया पहुंचे। उन्होंने जेल में अपने भाइयों का हालचाल जाना। साथ ही जेल के नए वरिष्ठ अधीक्षक विजय विक्रम सिंह से भी मुलाकात की।उदयभान करवरिया ने बताया कि वह जेल से रिहा होने के बाद हर महीने अपने भाइयों से मिलने आते हैं। नए जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह पहले इसी जेल में जेलर रह चुके हैं, जिससे उनकी पुरानी पहचान है। इसलिए उनसे भी मुलाकात की। इसी जेल से समय से पूर्व मिली थी उदयभान को रिहाईउदयभान करवरिया को राज्यपाल के आदेश पर अच्छे आचरण के आधार पर समयपूर्व रिहा किया गया था।1996 में हुए विधायक जवाहर पंडित हत्याकांड में उदयभान करवरिया, उसके भाई सूरजभान करवरिया और कपिलमुनि करवरिया को आजीवन कारावास की सजा हुई है।

## PNB बैंक घोटाला केस- अमेरिका में गिरफ्तार हुआ नीरव मोदी का भाई नेहल मोदी

**नई दिल्ली।** पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। अमेरिका के न्याय विभाग ने नेहल मोदी की गिरफ्तारी की जानकारी भारतीय अधिकारियों को दी है। जानकारी के अनुसार, अमेरिका के न्याय विभाग ने भारतीय अधिकारियों को सूचित किया है कि भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को 4 जुलाई 2025 को अमेरिकी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा संयुक्त रूप से दिए गए प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई है। अमेरिकी अभियोजन द्वारा दायर शिकायत के अनुसार, प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो आरोपों पर की जा रही है। इनमें मनी लॉन्ड्रिंग (धनशोधन) का एक आरोप है, जो मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए), 2002 की धारा 3 के तहत है। इसके अलावा, आपराधिक साजिश का एक आरोप है, जो भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 120-बी और 201 के तहत है।

# कानपुर में गवाह विमल के हत्यारों की तलाश तेज, पुलिस पर लापरवाही का भी आरोप

**स्वतंत्र प्रभात**

**कानपुर।** यहां सेन पश्चिम पारा कैटरीना हमले के गवाह विमल गौतम की अपहरण के बाद हत्या मामले में आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है। इस बीच पुलिस पर भी आरोप लगाया गया है जिसके मुताबिक अगर सूचना के आधार पर तत्काल कार्रवाई की जाती तो विमल की जान बचाई जा सकती थी। आरोप है कि रात करीब साढ़े नौ बजे अपहरण की घटना होने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दे दी थी, लेकिन रिपोर्ट अगले दिन दर्ज हुई। घरवालों का आरोप है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिसका नतीजा है कि उनकी हत्या कर दी गई। फिलहाल मामले में पुलिस द्वारा मुख्य हत्यारोपी इरफान को इटावा से उठाये जाने की भी खबर है, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं दिखाई है। उसकी सफेद कार भी इटावा से मिली है। जबकि थाना प्रभारी के मुताबिक कार इरफान के रमईपुर स्थित घर से मिली है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस की जांच में सामने आया कि खागल पासवान और विमल से विवाद के बाद इरफान बिनगवां गांव छोड़कर रमईपुर में शटरिंग का काम करने लगा। बिनगवां में शटरिंग का काम मिलने से वह पिछले एक सप्ताह से गांव में नजर आ रहा था। हत्याकांड में गांव के अन्य लोगों की भी शामिल होने की आशंका व्यक्त की गई। अधिकारियों के मुताबिक टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश बहुत तेजी से की जा रही है।

# डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान

**● महारानी गल्ला व्यवसाई की हत्या का मामला, व्यापारियों ने उठाया**

**स्वतंत्र प्रभात**

**लालगंज (रायबरेली)।** तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में व्यापारियों ने महारानीगंज में हुई गल्ला व्यापारी सुखदेव लोधी की हत्या का मामला जोरदार तरीके से उठाया।जिलाधिकारी हर्षिता माथुर और पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस जनसुनवाई में व्यापारी प्रतिनिधिमंडल ने हत्या के जल्द खुलासे की मांग की। महारानीगंज बाजार अध्यक्ष अनिल सिंह के नेतृत्व में मृतक की दोनों बेटियां भी पहुंचीं। उन्होंने अपने पिता के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की मांग की। कहा कि घटना के बाद से स्थानीय व्यापारियों में दहशत है और पुलिस को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। इसी दौरान भाजपा नेता मनीष त्रिवेदी ने लालगंज से तौधकपुर तक की जर्जर सड़क की मरम्मत कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर नाली जैसी स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। इस अवसर पर कुल 83 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। कार्यक्रम में एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी, तहसीलदार शंभू शरण पांडेय, सीएमओ डॉ. नवीन चंद्र, सीएचसी अधीक्षक और नगर पंचायत से वीरेंद्र यादव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। व्यापारियों में दहशत है और पुलिस को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

इसी दौरान भाजपा नेता मनीष त्रिवेदी ने लालगंज से तौधकपुर तक की जर्जर सड़क की मरम्मत कराने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कई स्थानों पर नाली जैसी स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। इस अवसर पर कुल 85 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से नौ मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। कार्यक्रम में एसडीएम मिथिलेश त्रिपाठी, तहसीलदार शंभू चरण पांडेय, सीएमओ डॉ. नवीन चंद्र, सीएचसी अधीक्षक और नगर पंचायत से वीरेंद्र यादव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# स्कूल पहुंचते ही सातवीं कक्षा के छात्र की बिगड़ी तबीयत, पिता की गोद में ली अंतिम सांस

**स्वतंत्र प्रभात**

**बाराबंकी।** जनपद के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित सेंट एंथनी स्कूल में सोमवार की सुबह रोज़ की तरह स्कूल खुला था। लेकिन इस बार वो माहौल सामान्य नहीं रहा। सुबह 7:15 बजे के आसपास अखिल प्रताप सिंह, जो 7वीं कक्षा का छात्र था, अपने पिता जितेंद्र प्रताप सिंह के साथ स्कूल पहुंचा। जैसे ही अखिल ने कार से उतरकर बैग कंधे पर लटकाया, वह लड़खड़ाने लगा। पिता कुछ समझ पाते उससे पहले ही उसके मुंह से उल्टियाँ शुरू हो गईं और वह बेसुध हो गया। बदहवास पिता ने बेटे को गोद में उठाया और पास ही की सीढ़ियों पर बैठ गया। स्थानीय लोग मदद को दौड़े और तुरंत नज़दीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने अखिल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद भी पिता ने उम्मीद नहीं छोड़ी और बेटे को लेकर लखनऊ के एक निजी अस्पताल भागे, परंतु वहां भी डॉक्टरों ने सिर्फ निराशा ही दी।

**इकलौता बेटा था अखिल, पिता व्यापारी और मां शिक्षिका**

बाराबंकी के घेरी बिशुनपुर निवासी जितेंद्र प्रताप सिंह एक व्यापारी हैं, जबकि उनकी पत्नी एक शिक्षिका हैं। अखिल उनकी इकलौती संतान था। एक होनहार, चंचल और पढ़ाई में आगे रहने वाला बच्चा। टेलीफोन पर बातचीत में जितेंद्र ने बताया, "मेरा बेटा पूरी तरह स्वस्थ था। न कोई बीमारी थी, न कोई दवा चल रही थी। सुबह हँसते हुए स्कूल आया था। मुझे क्या पता था कि उसी की गोद में उसकी अंतिम सांसें होंगी।"

**घटना का वीडियो वायरल, विद्यालय प्रबंधन ने जताया दुख**

घटना के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में पिता की गोद में तड़पता मासूम और उसकी बेबसी देख हर आंख नम हो गई। स्कूल प्रबंधन ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए स्कूल में अवकाश घोषित कर दिया और कहा कि वे परिवार के साथ हैं।

**प्रत्यक्षदर्शियों की आंखों देखा हाल**

बॉलीबॉल संघ के सचिव पवन सिंह, जो सुबह मॉर्निंग वॉक से लौट रहे थे, ने बताया- ÷मैंने जितेंद्र जी को सीढ़ियों पर बेटे को गोद में लिए बैठे देखा। हम तुरंत मदद को पहुंचे और अस्पताल ले गए, लेकिन वहां तक पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।÷

**डॉक्टरों के अनुसार मौत के संभावित कारण**

हालांकि अखिल का पोस्टमार्टम नहीं हुआ, इसलिए मृत्यु का वास्तविक कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। लेकिन इस असामयिक मौत ने चिकित्सा जगत को भी स्तब्ध कर दिया है। मेयो कॉलेज, लखनऊ के सीनियर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहम्मद काशिफ ने बताया- "स उम्र में हार्ट अटैक की संभावना बहुत ही कम होती है। संभवतः ब्रेन हेमरेज या कार्डियक अरेस्ट कारण हो सकता है। हालांकि बिना पोस्टमार्टम के कुछ कहना कठिन है। अभिभावकों को चाहिए कि बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराएं।"

**समाज और सिस्टम के लिए चेतावनी है यह मौत**

अखिल की अचानक मौत सिर्फ एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे सिस्टम, स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही और स्कूली वातावरण की कठोरता पर सवाल खड़े करती है। क्या स्कूल के पहले दिन इतने दबाव में बच्चे आ जाते हैं? क्या भीषण गर्मी के बाद शरीर अचानक शारीरिक लय में नहीं आ पाता? क्या हर स्कूल में मेडिकल इमरजेंसी के लिए कोई इंतज़ाम होना चाहिए?

इन सवालों के जवाब तलाशने का वक्त आ गया है।

**'स्कूल बैग के बोझ से पहले ही दब गए थे हम'**

अखिल की मौत ने एक बार फिर इस बहस को ज़िंदा कर दिया है कि बच्चों पर पढ़ाई और स्कूल बैग का बोझ कितना सही है? स्कूल खुलते ही बिना किसी "फिजिकल फिटनेस चेक÷ या ÷रिकवरी पीरियड" के बच्चे सीधे क्लास में डाल दिए जाते हैं। क्या सिस्टम को बच्चों के मनोवैज्ञानिक और शारीरिक हालात का ख्याल रखना चाहिए?

**अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब**

अखिल का अंतिम संस्कार पूरे गांव की मौजूदगी में हुआ। ग्रामीणों ने भारी मन से उसे विदाई दी। हर कोई यह सोचकर सिहर उठा कि जो बच्चा स्कूल के पहले दिन उत्साह से भरा हुआ था, वो इतनी जल्दी इस दुनिया से चला गया।


## कार्यालय ग्रा.पं. सुगौटी वि.ख. कटेहरी अंबेडकर नगर

**निविदा सूचना**

ग्राम पंचायत सुगौटी वि.ख. कटेहरी जनपद अंबेडकरनगर में मनरेगा/ राज्य/14वां/15वां/ केंद्रीय वित्त के योजनाअंतर्गत लिखित कार्य के लिए सामग्री ईट, सीमेंट, बालू, मोरंग, गिट्टी, इंटरलॉकिंग ईटी, सरिया, लोहे का दरवाजा आदि हेतु आपूर्ति ईट भट्ठा मालिकों व आपूर्तिकर्ताओं से अपने लेटर पैड पर मुहर बंद निविदाएं दिनाँक 07/04/ 2025 से 12/04/2025 तक की अवधि में ग्राम पंचायत कार्यालय के कार्य अवधि में आमंत्रित की जाती है तथा दिनाँक 12/04/2025 अधोहस्ताक्षरित निविदाओं के सक्षम सायं 4 बजे खोली जाएगी। किसी भी निविदा को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

आपूर्ति हेतु सामग्री निम्नवत है।
**परियोजना का नाम-**
(1) आंगनवाड़ी केंद्र निर्माण कार्य।

**झपसी राम**
**प्रधान**
**ग्रा.पं. सुगौटी वि.ख. कटेहरी**
**अंबेडकर नगर**

**नेहा सिंह**
**सचिव**
**ग्रा.पं. सुगौटी वि.ख. कटेहरी**
**अंबेडकर नगर**

## संक्षिप्त खबरें

### जिलाधिकारी ने निमार्ण कार्य को समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग पूर्ण कराने के लिए निर्देश दिए

**सिद्धार्थनगर।** जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा बिस्कोहर सिगारजोत मार्ग के किमी.-09 में स्थित दखिनहवा नाले पर 2 गुणे 6 मी0 स्पान की आरसीसी बॉक्स लघु सेतु निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य चल रहा था। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के अधिकारी को निर्देश दिया कि समय से एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

### खाद्य विभाग ने छापेमारी कर लिए पांच नमूने

**सिद्धार्थनगर।** आम जनमानस को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने हेतु आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, लखनऊ एवं जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में दो दिवसीय 3 एवं 4 जुलाई को नौगढ़ बाजार, ककरहवा बाज़ार, बढ़नी बाजार, बस स्टॉप चौराहा बढ़नी में सहायक आयुक्त खाद्य आर.एल. यादव के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा छापा मारकर कुल पांच नमूना क्रमशः 01 दूध, 01 काजू, 01 पनीर, 01 किशमिश एवं 01 पोहा का नमूना संग्रहित किया गया। नमूनों को जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने, मिलावटी खाद्य पदार्थों एवं पीसे खुले मसालों की बिक्री न करने के लिये निर्देश दिया गया। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जय प्रकाश, हीरा लाल, रंजन कुमार तथा नीरज कुमार चौधरी सम्मिलित रहे।

### गड्ढे में डूबने से बालक की मौत

**सिद्धार्थनगर।** सदर थाना क्षेत्र के मंडी परिसर में गढ्ढे के भरे पानी में डूबने से 7 वर्षीय बालक सोहराब की मौत हो गई। मृतक सोहराब अपनी मां के साथ अपने ननिहाल रहता था वहीं बगल में स्थित नवीन सब्जी मंडी में मृतक बच्चे की मां दुकानों पर सब्जी की छंटाई का काम करती थी जिससे अपना और अपने परिवार का पालन पोषण करती थी। बच्चे की मां रोज की तरह शनिवार को भी बच्चे को लेकर नवीन मंडी में दुकान पर सब्जी की छंटाई कर रही थी वहीं उसका बच्चा अन्य बच्चों के साथ खेलते खेलते गढ्ढे में गिर गया। सोहराब के साथी बच्चों ने जोर से सोहराब डूब गयाकि आवाज दी ।जब तक लोग गढ्ढे तक पहुंच कर बच्चे को गढ्ढे से बाहर निकालते उससे पहले पानी में उसकी मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने पुलिस व प्रशासन को सूचना दी मौके पर तहसीलदार सहित सदर कोतवाली पुलिस पहुंची जहां पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज विधिक कार्यवाही में जुट गई।

### बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जदयू नेता केसी त्यागी बोले, एनडीए ही जीतेगा चुनाव

**नई दिल्ली।** बिहार में सत्ताधारी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता के.सी. त्यागी ने शनिवार को राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर प्रतिक्रिया देते हुए दावा किया कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत होगी। के.सी. त्यागी ने कहा, पहले ईवीएम को लेकर सवाल उठते थे। जब भी कहीं 'इंडी गठबंधन' चुनाव हारता है, तो ईवीएम को दोष देता है। उन्होंने कहा पिछले 20 साल से नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं और किसी प्रकार को कोई आरोप नहीं लगा है। लिहाजा, वहां अपनी संभावित हार को देखते हुए विपक्ष ने 'मतदाता सूची पुनरीक्षण' पर सवाल उठना शुरू कर दिया है। के.सी. त्यागी ने कहा कि वह खुद छह बार लोकसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। हर लोकसभा और विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में सुधार होता है, जो मृत व्यक्ति हैं उनका नाम कटता है और नए लोगों के नाम जुड़ते हैं। जो अब्सेंट वोटर हैं उनके नाम काटे जाते हैं। यह रिवीजन उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। विपक्ष के नेताओं को चुनाव आयोग से मिलने वाले सवाल पर उन्होंने कहा, 'इंडी' गठबंधन के नेताओं को चुनाव आयोग से निवेदन करना चाहिए, हमें इस पर कोई एतराज नहीं है। आगामी 9 जुलाई को प्रस्तावित चक्का जाम को लेकर के.सी. त्यागी ने कहा, चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उससे वार्तालाप करने की बजाय इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का काम 'इंडी' गठबंधन कर रहा है। उसके खिलाफ एनडीए गठबंधन एकजुट है और चुनाव में सफलता प्राप्त करेगा।

# अब्बास अंसारी अभी जेल में ही रहेंगे, मऊ कोर्ट ने सजा कम करने की याचिका की खारिज

**● मऊ सेशन कोर्ट ने पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को बड़ा झटका देते हुए उनकी सजा के खिलाफ दायर अपील खारिज कर दी है. साथ ही कोर्ट ने हेट स्पीच मामले में 2 साल की सजा को भी बरकरार रखा, लेकिन अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ा दिया है.**

**स्वतंत्र प्रभात**

माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ सदर के पूर्व विधायक अब्बास अंसारी को मऊ सेशन कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव कुमार वत्स की फास्ट ट्रैक कोर्ट नंबर 1 ने हेट स्पीच मामले में उनकी 2 साल की सजा को बरकरार रखते हुए अपील खारिज कर दी है. हालांकि, कोर्ट ने अब्बास की अंतरिम जमानत की अवधि को बढ़ा दिया है।

31 मई को मऊ की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) कोर्ट ने अब्बास अंसारी को 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में दोषी ठहराया था. साथ ही उन्हें 2 साल की सजा और 11,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया था. इस सजा के बाद 1 जून को उनकी मऊ सदर विधानसभा सीट से सदस्यता रद्द कर दी गई थी. इसके खिलाफ अब्बास के वकील दरोगा सिंह ने सेशन कोर्ट में अपील दायर की थी।

**अब्बास ने दायर किए थे तीन प्रार्थना-पत्र**

शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह ने बताया कि अब्बास अंसारी ने तीन प्रार्थना-पत्र दायर किए थे. पहला, उनकी अंतरिम जमानत को स्थायी जमानत में बदलने की मांग. दूसरा, 2 साल की सजा पर रोक लगाने की अपील. तीसरा, दोषसिद्धि को रद्द करने की मांग. कोर्ट ने इससे अंतरिम जमानत को स्थायी जमानत में बदल दिया, लेकिन साथ ही सजा पर रोक लगाने और दोषसिद्धि रद्द करने की अपील को भी खारिज कर दिया।

**क्या था पूरा मामला?**

यह मामला 3 मार्च 2022 का है. जब मऊ के पहाड़पुरा मैदान में एक चुनावी सभा के दौरान अब्बास अंसारी ने कथित तौर पर प्रशासनिक अधिकारियों को धमकी दी थी. उन्होंने कहा था कि सरकार बनने पर अधिकारियों का हिसाब-किताब किया जाएगा और उनकी ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक लगाई जाएगी. इस बयान को भड़काऊ मानते हुए मऊ कोतवाली में सब-इंस्पेक्टर गंगाराम बिंद की शिकायत पर अब्बास, उनके भाई उमर अंसारी और उनके चुनावी एजेंट मंसूर अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था. यह केस भारतीय दंड संहिता

(IPC) की धारा 506, 171एफ, 186, 189, 153ए और 120बी के तहत दर्ज हुआ था. बता दें कि कोर्ट ने इस मामले में उमर अंसारी को बरी कर दिया था, लेकिन अब्बास और मंसूर को दोषी ठहराया था।

**अब केवल हाईकोर्ट का ही रास्ता बचा**

सजा बरकरार रहने के कारण अब्बास की विधायकी बहाल होने की संभावना खत्म हो गई है. अब उनके पास इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दायर करने का विकल्प बचा है. शासकीय अधिवक्ता ने कहा कि निचली अदालत का फैसला विधिसम्मत है और उसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं है. इस फैसले ने मऊ और पूर्वांचल में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है. अब्बास अंसारी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (SBSP) के टिकट पर 2022 में मऊ सदर से विधायक चुने गए थे।

# सिद्धार्थनगर में महिला ने दो बच्चों के साथ नदी में कूदी, तीनों की मौत

**● मृतक फाइल फोटो मां माया के साथ दोनों बच्चे**

**स्वतंत्र प्रभात**

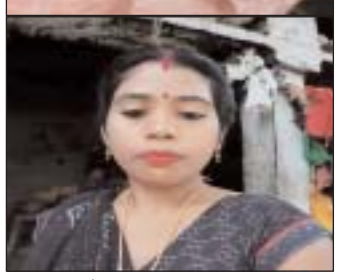

**सिद्धार्थनगर।** जिले के कठेला समय माता थाना क्षेत्र के बड़ुइया में बूढ़ी रासी नदी में एक महिला व दो बच्चों की लाश बरामद हुआ है।घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कठेला समय माता थानाक्षेत्र के औरहवा ग्राम पंचायत के बड़ुइया टोले की रहने वाली माया( 28 ) पत्नी सचिन अपनी अपनी पुत्री मोनिका ( 6 ) व पुत्र शिवांश ( 2 ) वर्ष के साथ शुक्रवार को देर रात बूढ़ी रासी नदी में कूद गई।शनिवार को सुबह छः बजे गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना दिया।सीओ सुजीत राय व एसओ शेषनाथ यादव के साथ पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मायके पक्ष के लोगों के मुताबिक मृतका का पति सचिन दिल्ली में रहता है। घटना का कारण गृहक्लेश बताया जा रहा है।

इस संबंध में सीओ सुजीत राय ने बताया कि गृहक्लेश के कारण महिला ने यह कदम उठाया है।लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

## समस्तीपुर पुलिस का 'ऑपरेशन जिला बदर', गुंडा पंजी अपडेट और अपराधियों पर सख्ती शुरू

**स्वतंत्र प्रभात**

**बिहार** विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, जिले की पुलिस व्यवस्था भी सक्रिय होती जा रही है। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाए रखने के लिए समस्तीपुर पुलिस ने व्यापक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। अब जिले में चलाया जाएगा 'ऑपरेशन जिला बदर', जिसके तहत अपराधियों की नकेल कसने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। पुलिस प्रशासन की ओर से जिले में वर्षों से जमे पुलिस अधिकारियों का तबादला हाल ही में किया गया है, जिससे कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण की प्रक्रिया को नई धार मिली है। अब अगला कदम है– कुख्यात अपराधियों की पहचान कर उन्हें जिले से बाहर करना।

**सदर-1** अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह एएसपी संजय कुमार पांडेय ने बताया कि सभी थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की सूची तैयार करें और उनका गुंडा पंजी (क्रिमिनल रिकॉर्ड रजिस्टर) अपडेट करें। इसके साथ ही सीसीए (Crime Control Act) के तहत चिन्हित अपराधियों को जिला बदर करने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। इसके जरिए संदिग्ध और आदतन अपराधियों को जिले की सीमा से बाहर भेजा जाएगा, ताकि वे चुनाव के दौरान किसी गड़बड़ी को अंजाम न दे सकें।

**क्या है 'गुंडा परेड'?-** पुलिस अब 'गुंडा परेड' की भी योजना बना रही है, जिसके अंतर्गत थाने में चिन्हित असामाजिक तत्वों को बुलाकर उनकी गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। उन्हें चेतावनी दी जाएगी कि यदि दोबारा आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए गए, तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

**जेल से छूटे अपराधियों पर भी नजर-** पुलिस प्रशासन उन बदमाशों की गतिविधियों पर भी निगरानी कर रहा है जो हाल ही में जेल से रिहा हुए हैं। स्थानीय पुलिस और खुफिया इकाइयों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि इनकी दोबारा सक्रियता को समय रहते रोका जा सके।

# पति की मौत पर पत्नी,पति वियोग में दहाड़ मार मार कर सड़क किनारे चिल्लाती रही

**● पति से लिपट कर विलाप करती नवविवाहिता पत्नी साधना**

**घर पर पसरा मातम, पिता व परिवार को सांत्वना देते लोग**

**स्वतंत्र प्रभात**

मृतक धर्मेंद्र फ़ाइल फ़ोटो

**सिद्धार्थनगर।** जिले के शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे पर बानगंगा पुल के निकट शुक्रवार की शाम वाहन की ठोकर लगने से पति की मौके मौत हो गयी, जबकि पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गयी। पत्नी का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

थाना शोहरतगढ़ के नेशनल हाइवे किनारे स्थित हलौरा गावं के धर्मेंद्र ( 20 वर्ष ) पुत्र प्रकाश अपनी नवविवाहिता पत्नी साधना ( 19 वर्ष ) के साथ घर से ससुराल जा रहा था। घर से निकलने के बाद अभी दम्पति दो किलोमीटर भी नहीं गया कि शोहरतगढ़ की तरफ से आ रहे किसी वाहन ने मोटरसाइकिल में जोरदार ठोकर मार दी। मोटरसाइकिल से पति पत्नी गिरकर घायल हो गये। पति की हालत काफ़ी गम्भीर व खून से लतपथ देख पत्नी दहाड़ मार चिल्लाने लगी। पति की हालत देख वह अपने चोट को शायद भूल गयी। माथे का ताजा सिंदूर व हथेली की मेंहदी, संजी संवर दूल्हन घायल हालत में ही पति का पैर पकड़ लिपटते हुये नेशनल हाइवे की पटरी पर दहाड़ मार चिल्लाते हुये शायद यही कह रही थी कि मुझे न जाओ छोड़कर कि-। पत्नी का विलाप देख काफ़ी संख्या में राहगीर जुट गये। लोगों ने मृतक धर्मेंद्र की पहचान कर गावं, परिवार को सूचना दिया। लोग घटना को देखकर आहें भरने लगे। पत्नी अपने पति के साथ शादी के बाद अभी पहली बार मायके जा रही थी। घटना के बाद इधर लड़के के पिता प्रकाश, माता शम्मा, भाई वीरेंद्र, सुरेंद्र, गोलू व इकलौती बहन शारदा पर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। बड़ा भाई सुरेंद्र अभी शादी के बाद ही रोजी रोटी के लिये गुजरात गया था। घटना को सुनकर आहें भरने लगा।

शुक्रवार को दिन में ही पत्नी के मायके में अपनी लाडली के पति के साथ घर आने की खबर पहुंच चुकी थी। धर्मेंद्र के ससुराल के लोग दामाद के आने का इंतजार कर रहे थे। घटना की खबर सुनते ही नवविवाहिता साधना के पिता इंद्राज व माता इंद्रावती बदहवास हो गयी। पूरा घर गम में डूब गया। आनन फानन लोग अस्पताल पहुंचे। एक तरफ दामाद का शव, दूसरी तरफ घायल पड़ी बिटिया को देख रोने विलखने लगे। धर्मेंद्र और साधना की शादी अभी पिछले दिनों पांच मई को हुयी थी। पूरे परिवार के साथ दोनों बहुत खुश थे। बेटी के सुहाग उजड़ने की चिंता सताए जा रही थी। पुलिस ने पति के शव को कार्यवाही करते हुये पोस्टमार्टम के लिये और घायल नवविवाहिता को इलाज के लिये मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। शनिवार को मृतक का भाई सुरेंद्र भी जब घर पहुंचा तो पूरा परिवार, रिश्तेदार, गावं वाले उसे सांत्वना देने लगे। पोस्टमार्टम के बाद शाम को निकट के बानगंगा नदी श्मशान घाट पर लोगों ने नम आंखों से मृतक धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार किया।

# सौतेले बेटे ने करायी पिता धन्नजय की हत्या, घटना में शामिल तीन अन्य की तलाश जारी

**स्वतंत्र प्रभात**

**रुद्रपुर देवरिया।** पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं गंभीर धाराओं में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में दिये गये आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अरविन्द कुमार वर्मा व क्षेत्राधिकारी हरिराम यादव के कुशल पर्यवेक्षण में थाना रुद्रपुर पुलिस द्वारा व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा थाना रुद्रपुर पर पंजीकृत मुकदमा 243/2025 धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात का सफल अनावरण करते हुए साक्ष्य संकलन के क्रम में 02 अभियुक्तों.मृत्युंजय पाल पुत्र स्व0 हरिशंकर पाल निवासी फतेहपुर थाना रुद्रपुर जनपद देवरिया तथा अमन निषाद पुत्र रामनरेश निषाद निवासी फतेहपुर टोला रामनगर थाना रुद्रपुर जनपद देवरिया को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के क्रम में उनके द्वारा बताया गया कि अभियुक्त मृत्युंजय पाल जो कि मृतक का सौतेला बेटा है से मृतक का संपत्ति व जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद था । गिरफ्तार अभियुक्त मृत्युंजय पाल द्वारा आपराधिक षड्यंत्र बनाकर अपने सहयोगियों को 50 हजार रुपए की सुपारी देकर अपने सौतेले पिता मृतक धनंजय पाल की दिनांक 27/28 की रात्रि में धारधार हथियार कुल्हाड़ी से हत्या करवा दी गयी। गिरफ्तार अभियुक्त मृत्युंजय पाल द्वारा यह भी बताया गया कि हत्या के बाद हत्यारों को 02 हजार रुपए व 13 हजार रुपए जरिए फोन पे दिया गया है। शेष पैसा बाद में देने को कहा गया था।

विदित हो कि 28 जून को थाना रुद्रपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम फतेहपुर में उसी गांव के रहने वाले धनंजय पाल पुत्र शंकर पाल का शव उनके प्राइवेट स्कूल डीडीएम पब्लिक स्कूल के बरामदे में मिला था। जिसके सम्बन्ध में मृतक की पत्नी की तहरीर पर अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। घटना स्थल का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अरविन्द कुमार, क्षेत्राधिकारी हरिराम यादव, कोतवाल विनोद कुमार सिंह,स्वाट टीम, सर्विलांस टीम, डाग स्क्वायड, फोरेंसिक टीम के साथ करते हुए घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। उक्त अभियोग में शेष वांछित 03 अभियुक्तों .कमरुद्दीन उर्फ तालीवान पुत्र रमजान निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया,अभिषेक उर्फ भोलू पुत्र रामनाथ हरिजन निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया तथा राहुल पुत्र भजन निवासी पटखौली थाना सुरौली जनपद देवरिया की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें लगी हुई हैं।

# तकनीकी विधि से खेती करने के लिए किसानों को प्रशिक्षण

**स्वतंत्र प्रभात**

**सिद्धार्थनगर।** आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र सोहना में 1जुलाई से 7 जुलाई तक सुगन्धित धान बीज उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ ओम प्रकाश ने बताया कि फसल लगाने के लिए बीज हमेशा मान्यता प्राप्त श्रोत से ही खरीदना चाहिए एवं प्रजातियों का चयन क्षेत्र की जलवायु एवं मृदा के अनुसार करना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार ने बताया कि धान की नर्सरी लगाने से पूर्व ट्राईकोडर्मा से मृदा उपचार करें।वैज्ञानिक डॉ शेष नारायण सिंह ने बताया कि जनपद में सुगंधित धान में अधिकतम क्षेत्रफल में कालानमक धान का है यदि किसानों को अधिक लाभ कमाना है तो गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए बीज हो या चावल उसकी शुद्धता बनाए रखें।

वैज्ञानिक डॉ सर्वजीत ने बताया कि बीज उत्पादन के लिए ऐसे खेत का चुनाव करना चाहिए जहां सिंचाई, जल निकास, रोग, कीट, की समस्या कम हो तथा मृदा में पर्याप्त पोषक तत्त्व उपलब्ध हो तथा यह भी बताया कि धान में बीज वाली फसल में अन्य किस्मों से 3 मीटर पृथक करण दूरी रखे एवं फूल आने पर तथा बालियां पकने पर फसल से भिन्न पौधों को खेत से बाहर निकाल दें, डॉ प्रवेश कुमार ने बताया फसल लगाने से पूर्व मृदा कि जांच करवाना चाहिए इससे मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों की मात्रा के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। उद्यान वैज्ञानिक डॉ प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि बीज वाली फसल की कटाई पूर्णतः पकने पर करे कटाई एवं मणाई के समय भौतिक शुद्धता को बनाए रखने के लिए विशेष ध्यान रखें प्रशिक्षण में कमलेश चौरसिया, राकेश चौधरी, अनिल यादव, मोहम्मद नईम, लवकुश मौर्य पंकज विश्वकर्मा इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

# भारत में बैन होनी चाहिए एंटी-एजिंग दवाएं? विशेषज्ञों ने जताई चिंता

**नई दिल्ली।** एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की असमय मौत ने कॉस्मेटिक चीजों के इस्तेमाल और एंटी-एजिंग दवाओं के दुष्प्रभावों पर सवाल उठाए हैं। विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि एंटी-एजिंग दवाएं और इंजेक्शन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, इनसे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। साल 2002 के मशहूर म्यूजिक वीडियो %कांटा लगा% से लोकप्रिय हुईं शेफाली की 27 जून को मुंबई में 42 वर्ष की आयु में मौत हो गई थी। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया जा रहा है। हालांकि, यह भी सामने आया है कि वह एंटी-एजिंग इंजेक्शन का कॉकटेल ले रही थीं, और कथित तौर पर उपवास के दौरान खुद ही ये इंजेक्शन लगाती थीं।

एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया, "एंटी-एजिंग दवाएं बहुत लोकप्रिय हो रही हैं, लेकिन इनका नियमन नहीं है। इनमें से कई उत्पादों की प्रभावशीलता के लिए वैज्ञानिक अध्ययन नहीं हैं और लंबे समय तक उपयोग से हानिकारक दुष्प्रभाव हो सकते हैं।" केरल स्टेट आईएमए के रिसर्च सेल के संयोजक डॉ. राजीव जयदेवन ने बताया, ÷एंटी-एजिंग कोई वैज्ञानिक शब्द नहीं है। ऐसे उत्पाद प्राकृतिक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को उलटते या रोकते नहीं हैं। कुछ दवाओं से त्वचा का रंग गोरा करना संभव है, लेकिन यह एंटी-एजिंग के समान नहीं है।" पुलिस जांच के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि शेफाली स्किन व्हाइटनिंग और एंटी-एजिंग ट्रीटमेंट, खासकर ग्लूटाथियोन और विटामिन सी का इस्तेमाल लगभग आठ साल से कर रही थीं। यह सब बिना किसी चिकित्सकीय निगरानी के चल रहा था। डॉ. जयदेवन ने बताया, "जब दवा को सीधे नस में इंजेक्शन के जरिए दिया जाता है, तो इसकी सांद्रता खून और ऊतकों में बहुत अधिक हो सकती है। ऐसे इंजेक्शनों को सावधानीपूर्वक नियंत्रित करना जरूरी है।" उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस की रिपोर्ट्स का जिक्र किया, जहां ग्लूटाथियोन इंजेक्शनों में विषाक्त पदार्थ और गंभीर दुष्प्रभाव पाए गए। भारत में कॉस्मेटिक प्रक्रियाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है। हाल के आईएसएपीएस ग्लोबल सर्वे के अनुसार, भारत सौंदर्य और कॉस्मेटिक प्रोसीजर के लिए दुनिया के शीर्ष 10 देशों में शामिल है। डॉ. गुलेरिया ने बताया, "ऐसी दवाओं का नियमन जरूरी है। अगर इनके सुरक्षा और प्रभावशीलता के सबूत नहीं हैं और ये हानिकारक हो सकती हैं, तो इन पर प्रतिबंध लगना चाहिए। यह नियमन अन्य सप्लीमेंट्स पर भी लागू होने चाहिए जो मांसपेशियों को बनाने के अलावा कई अन्य कारणों से शरीर में पहुंचाए जाते हैं।"

# टॉयलेट सीट पर बैठा सुन रहा था कोर्ट की सुनवाई, अब अवमानना का नोटिस जारी

**● गुजरात हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए अवमानना कार्यवाही शुरू की, जो शौचालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई में शामिल हुआ था. वायरल वीडियो पर कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए इसे न्यायालय की गरिमा के खिलाफ बताया है।**

**स्वतंत्र प्रभात**

गुजरात हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए अवमानना की कार्यवाही शुरू की है. बता दें कि ये मामला 20 जून का था. जब एक व्यक्ति शौचालय की सीट पर बैठकर वर्चुअल सुनवाई में शामिल हुआ था. यह घटना उस समय हुई, जब जस्टिस निर्जर एस देसाई एक चेक बाउंस से संबंधित मामले की सुनवाई कर रहे थे. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसने कोर्ट की गरिमा पर सवाल उठाए।

जस्टिस ए एस सुपेहिया और जस्टिस आर टी वच्छानी की खंडपीठ ने 30 जून को इस मामले पर गंभीर रुख अपनाया. कोर्ट ने अपने आदेश में हाईकोर्ट रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वीडियो में दिख रहे व्यक्ति के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए. यह आदेश 3 जुलाई को अपलोड किया गया था. कोर्ट ने कहा कि यह वीडियो न्यायालय की छवि को धूमिल कर रहा है और इसे तुरंत सोशल मीडिया से हटाया जाना चाहिए।

**कोर्ट ने ऐसी हरकतें रोकने के लिए तंत्र बनाने की मांग की**

खंडपीठ ने सूचना एवं प्रौद्योगिकी रजिस्ट्रार को यह भी निर्देश दिया कि वे वर्चुअल सुनवाई में इस तरह के अव्यवस्थित व्यवहार को रोकने के लिए तंत्र सुझाएं. कोर्ट ने देखा कि ऐसी अनुशासनहीन हरकतें बार-बार हो रही हैं, जो न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा को नुकसान पहुंचा रही हैं. जिसके चलते कोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लिया ताकि भविष्य में ऐसी हरकतें न हों।

**वह व्यक्ति आकर साबित करें कि उसको क्यों न दी जाए- HC**

आदेश में कहा गया कि 'रजिस्ट्री उस व्यक्ति को नोटिस जारी करे, जिसने यह हरकत की है। उसे बताना होगा कि अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 2(सी) के तहत उसके खिलाफ मुकदमा और सजा क्यों न दी जाए.' इस मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह के बाद होगी. कोर्ट के माने तो वीडियो में दिख रहा व्यक्ति अब्दुल समद है, जो सूरत के किम गांव का निवासी है. वह एक आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता था और प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) को रद्द करने की याचिका में प्रतिवादी के रूप में शामिल हुआ था। वीडियो में वह ब्लूटूथ ईयरफोन पहने हुए शौचालय में बैठा दिखाई दिया और बाद में वह एक अलग कमरे से सुनवाई में शामिल हुआ था।

**पहले भी आ चुके हैं ऐसी हरकतों के मामले**

गुजरात हाईकोर्ट ने कोविड-19 महामारी के बाद से वर्चुअल सुनवाई की सुविधा शुरू की थी. जिसे यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम किया जाता है. हालांकि यह पहली बार नहीं है जब वर्चुअल सुनवाई में अनुशासनहीनता देखी गई है. मार्च में कोर्ट ने एक व्यक्ति पर शौचालय से सुनवाई में शामिल होने के लिए 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था और उसे सामुदायिक सेवा करने का आदेश भी दिया था. अप्रैल में एक अन्य व्यक्ति को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान सिगरेट पीते हुए पकड़ा गया था, जिसके लिए 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, कोर्ट ने बार-बार जोर दिया है कि वर्चुअल सुनवाई में भी वही अनुशासन और सम्मान बनाए रखना जरूरी है, जो भौतिक सुनवाई में होता है।